दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

वर्ष 26 अंक 333 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

मंगलवार 10 मार्च 2026 डाक-बुधवार 11 मार्च 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

हॉलीवुड पॉप सिंगर रिहाना के घर पर फायरिंग, 10 राउंड गोलियां चलाईं; आरोपी महिला गिरफ्तार

लॉस एंजल्स ,10 मार्च । हॉलीवुड की मशहूर पॉप सिंगर रिहाना के घर पर रविवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब उनके बेवर्ली हिल्स स्थित बंगले के बाहर अज्ञात महिला ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावर ने घर के बाहर से करीब '10 राउंड गोलियां चलाईं', जिनकी आवाज से पूरा इलाका दहल उठा।

बताया जा रहा है कि एक गोली बंगले की दीवार को चीरते हुए अंदर तक पहुंच गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने मामले में 30 वर्षीय एक संदिग्ध महिला को हिरासत में ले लिया है।

स्थ्ह्य ठ्ठद्गद्गद्यद्गह्य क्चह्यद्यद्बष्ह्य ष्ठद्गश्चड्डह्लद्वद्गठ्ठह्ल के मुताबिक रविवार दोपहर करीब '1:21 बजे' फायरिंग की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के समय रिहाना अपने घर के अंदर ही मौजूद थीं, जिससे उनके प्रशंसकों में चिंता और हैरानी दोनों देखी जा रही है। पुलिस के अनुसार हमलावर महिला अपनी कार में बैठी हुई थी और वहीं से उसने घर की ओर लगातार कई राउंड गोलियां चलाईं। पुलिस सार्जेंट 'जोनाथन डी वेरा' ने बताया कि घर के गेट के सामने खड़ी एक कार से फायरिंग की गई थी, लेकिन गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला 'सफेद टेस्ला कार' में सवार होकर साउथ कोल्डवॉटर कैन्यन ड्राइव की ओर फरार हो गई। पुलिस ने रेडियो संदेश के जरिए उसका हुलिया प्रसारित किया और पीछा शुरू किया।

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया, गोगोई ने कहा- देश का नेतृत्व कमजोर, बुजदिल

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी।

विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। इस दौरान कांग्रेस ने स्पीकर की गैर-मौजूदगी में डिप्टी स्पीकर के नियुक्त ना करने पर सवाल उठाए। कहा कि चेयर पर बैठे पीठासीन जगदंबिका पाल कैसे इस दौरान कार्यवाही चला सकते हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि देश का नेतृत्व कमकोर और बुजदिल है।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और कहा कि जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही हो, तब स्पीकर को कार्यवाही की अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि अभी तक डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया है और जो व्यक्ति चेयर पर बैठे हैं, वे भी स्पीकर की मंजूरी से ही आए हैं, इसलिए वे इस प्रस्ताव पर कार्यवाही नहीं चला सकते। उन्होंने मांग की कि बहस शुरू करने से पहले सदन की सहमति से तय किया जाए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा।

निशिकांत दुबे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार चेयर पर बैठा कोई भी व्यक्ति स्पीकर जैसी शक्तियां रखता है और वह कार्यवाही की अध्यक्षता कर सकता है। किरेन रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया।

केसी वेणुगोपाल ने सरकार पर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने को लेकर हमला बोला और कहा कि बहस शुरू होने से पहले सदन की सहमति ली जानी चाहिए। इसके बाद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि चेयर पर बैठे व्यक्ति को कार्यवाही चलाने का पूरा अधिकार है।

आखिर में चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर का पद खाली नहीं है, इसलिए उन्हें कार्यवाही चलाने का अधिकार है। कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में मौका दिया जाएगा।

देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू, होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत, गैस नहीं मिल रही

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में नेचुरल गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट, 1955' लागू कर दिया है। केंद्र सरकार ने देश में नेचुरल गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट, 1955' लागू कर दिया है।

केंद्र सरकार ने देशभर में 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955' लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते होने वाली गैस सप्लाई ठप होने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है।

गैस किल्लत को देखते हुए दिल्ली मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है।

इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स और होटलों के बंद होने की नौबत आ गई है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से कहा है कि सप्लाई बहाल की जाए।

कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी

पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई): इसमें आपके घर की रसोई गैस और गाड़ियों में डलने वाली सीएनजी आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।

दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने): खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।

तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग): नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।

चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल): शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

जालंधर-पठानकोट हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

होशियारपुर,10 मार्च (एजेंसी)। पंजाब के होशियारपुर जिले में जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर चोलांग टोल प्लाजा के पास हुए एक सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान दसूहा स्थित केएमएस कॉलेज की मुख्य प्रशासक शबनम सैनी (48), उनके बेटे तुशांत (18) (दोनों निवासी दसूहा) और राहुल (25) (निवासी गुरदासपुर) के रूप में हुई है।

टांडा थाना के एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि दुर्घटना सोमवार देर रात उस समय हुई जब शबनम सैनी और उनका बेटा अर्टिगा कार में जालंधर से दसूहा जा रहे थे। उन्होंने बताया कि चोलांग टोल प्लाजा के पास उनकी कार कथित तौर पर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी एक बोलेरो गाड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो पलटकर सड़क किनारे जा गिरी, जबकि अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार, शबनम सैनी, उनके बेटे तुशांत और बोलेरो में सवार राहुल की मौके पर ही मौत हो गई।

बोलेरो में सवार एक अन्य व्यक्ति, जिसकी पहचान विलियम के रूप में हुई है, गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टांडा में भर्ती कराया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

गुजरात-महाराष्ट्र और राजस्थान के 14 शहरों में टेम्परेचर 40डिग्री पार

एमपी के इंदौर में रनवे का डामर पिघला, जम्मू-कश्मीर में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। मार्च के दूसरे हफ्ते तक देश के उत्तरी-मैदानी इलाकों में तेज गर्मी पड़ने लगी है। राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के 14 शहरों में सोमवार को पारा 40 से 41 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। इनमें राजकोट, सुरेंद्रनगर, न्यू कांडला, अहमदाबाद, डीसा, केशोड, गांधीनगर, सूरत, अमरेली, अकोला, बरौडा, भुज, बाड़मेर और कांडला शामिल हैं।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और महाराष्ट्र के विदर्भ में लू चलने लगी है। देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 5डिग्री या 12डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में गर्मी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे का डामर पिघल गया। इसके कारण 2 फ्लाइट्स को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और शुष्क हवाएं और साफ आसमान के कारण ही तापमान बढ़ रहा है। तेज सोलर रेडिएशन के कारण जमीन तेजी से गर्म हो रही है। अगले दो-तीन दिन तापमान में और बढ़ोतरी की आशंका है।

मंगलवार को बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरल में बारिश का अलर्ट है। नगालैंड के कोहिमा, दीमापुर, सेमिन्यू और वोखा समेत कई जगहों पर सोमवार को भी करीब 40 मिनट तक बारिश-ओलावृष्टि हुई।

ट्रंप का बड़ा बयान, बोले- ईरान के खिलाफ युद्ध जल्द होगा समाप्त, दुनिया ने ली राहत की सांस

वॉशिंगटन,10 मार्च (एजेंसी)। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमरीका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के डोराल में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमरीका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। युद्ध को लगभग पूरा हो जाने की बात बताने के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा में फिर से ईरान के विषय पर बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमने एक छोटी यात्रा की क्योंकि हमें लगा कि कुछ बुराई को खत्म करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आप देखेंगे कि यह एक बहुत ही कम समय की यात्रा होने जा रही है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले ही कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन हमने अभी पर्याप्त जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि हम इस लंबे समय से चले आ रहे खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करने और अंतिम जीत हासिल करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अपनी औपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने दोहराया कि ईरान में सैन्य अभियान एक जबरदस्त सफलता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान आने वाले लंबे समय तक परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि अमरीका के पास अभी भी ईरान में कुछ लक्ष्य हैं, जिन्हें महज एक दिन में नष्ट किया जा सकता है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि युद्ध बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा। रिपब्लिकन सांसदों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमरीका को कुछ बहुत ही दुष्ट लोगों से छुटकारा पाने के लिए ईरान में एक अल्पकालिक सैन्य अभियान में शामिल होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि हमने कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन अभी यह जीत पर्याप्त नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीबीएस न्यूज से बातचीत में कहा कि युद्ध काफी हद तक पूर्णता की ओर है। हालांकि न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान में अमेरिकी सैनिकों को भेजने के निर्णय के संबंध में प्रशासन फिलहाल किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंचा है।

भारत से ब्रह्मोस खरीदेगा इंडोनेशिया, डील फाइनल, ऑपरेशन सिंदूर का योद्धा मुस्लिम देश की फौज

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए समझौता किया है। यह जानकारी इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को दी। साल 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत और रूस की संयुक्त कंपनी ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने जानकारी दी थी कि जकार्ता के साथ 200 से 350 मिलियन डॉलर के सौदे पर उन्नत स्तर की बातचीत चल रही है।

हालांकि प्रवक्ता सिरैत ने इस समझौते की कुल कीमत की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि यह समझौता इंडोनेशिया की सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण का हिस्सा है, खासकर समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए। इससे पहले ब्रह्मोस को पहला विदेशी ऑर्डर 2022 में मिला था, जब दक्षिण-पूर्व एशिया के देश फिलीपींस ने इसे खरीदने के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। ब्रह्मोस एयरोस्पेस और भारत के रक्षा मंत्रालय ने फिलहाल इस नए समझौते पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन डील फाइनल हो चुकी है।

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

बस्तर के 44 हजार किसान नहीं बेच पाए धान

विधानसभा में गूंजा धान खरीदी का मुद्दा

रायपुर,10 मार्च (एजेंसी)। बस्तर संभाग के 44 हजार से अधिक पंजीकृत किसानों की धान खरीदी नहीं हो पाने का मुद्दा सोमवार को विधानसभा में गूंजा। बजट सत्र के छठवें दिन बस्तर के कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल और कोंटा के कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने आरोप लगाया कि बस्तर में 44 हजार से अधिक किसानों से धान खरीदी नहीं हो सकी।

कांग्रेस सदस्यों ने प्रश्नकाल में धान खरीदी नहीं हो पाने का कारण पूछा। इस पर सरकार ने कहा कि जो किसान धान बेचने के लिए खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंचे, उनका धान नहीं खरीदा गया।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि बस्तर में कांग्रेस शासनकाल से ज्यादा धान खरीदी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा कि कितने किसानों का रकबा समर्पण कराया गया। इस पर मंत्री दयालदास ने कहा कि यह मूल प्रश्न का हिस्सा नहीं है, इसलिए उद्भूत नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी अलग से दे दी जाएगी। लखमा ने पूछा कि धान खरीदी क्यों नहीं हुई। इस पर मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में दोगुना-तीन गुना तक धान खरीदी हुई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

कांग्रेस विधायकों के प्रश्न पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी की गई थी। किसानों की मांग पर खरीदी की तिथि बढ़ाई गई और जिन किसानों का धान नहीं बिक पाया था, उनके सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच और छह फरवरी को भी धान खरीदी की गई।

देश में छठवें स्थान पर छत्तीसगढ़, पांच वर्षों में 400 से अधिक बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं

रायपुर,10 मार्च (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बच्चों के लापता होने के मामले चिंता का विषय बने हुए हैं। पांच वर्षों के दौरान प्रदेश से 400 से अधिक बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की मिसिंग चिल्ड्रन रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि बच्चों के गायब होने के मामलों में छत्तीसगढ़ देश में छठवें स्थान पर है।

चिंताजनक बात यह है कि पांच वर्ष से प्रदेश लगातार देश के टाप-10 राज्यों की सूची में बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार इस सूची में पश्चिम बंगाल पहले और मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

इन जिलों में दर्ज की गई ज्यादा घटनाएं

वहीं छत्तीसगढ़ में कुछ जिले ऐसे हैं जहां से बच्चों के गायब होने की घटनाएं अपेक्षाकृत अधिक दर्ज की गई हैं। प्रदेश में जांजगीर-चांपा जिला बच्चों के लापता होने के मामलों में सबसे आगे है।

इसके बाद रायपुर, बिलासपुर, सक्ती, दुर्ग और बलौदाबाजार जिले का नाम सामने आया है। इन जिलों में पुलिस और प्रशासन बच्चों की तलाश के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

669 बच्चों को खोजकर परिवारों तक पहुंचाया

ऑपरेशन मुस्कान के तहत अब तक प्रदेशभर से 559 बच्चों को परिवारों तक पहुंचाया जा चुका है। इनमें सबसे ज्यादा जांजगीर-चांपा जिले के बच्चे शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रायपुर और बिलासपुर जैसे बड़े शहरों में औद्योगिक गतिविधियां और शहरीकरण बढ़ रहा है।

बीओडी से अप्रूवल मिलने के बाद भी पदोन्नति अटकी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वरिष्ठता सूची पर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर (बीओडी) से अप्रूवल मिलने के बाद भी राज्य बिजली उत्पादन कंपनी के कर्मचारियों की पदोन्नति प्रबंधन ने अटका रखी है। इससे उत्पादन कंपनी के एक हजार कर्मचारियों को उचित निर्णय लेने का अब भी इंतजार है। दूसरी ओर वितरण व ट्रांसमिशन कंपनी ने इस पर कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ देने पहल शुरू कर दी है।

राज्य बिजली कंपनी के नियमित कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभदिलाने वरिष्ठता सूची तैयार की गई है। इस पर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर से अप्रूवल मिल चुका है। पदोन्नति के मामले में 2004 की स्थिति में वरिष्ठता सूची तैयार की गई है। बीओडी से अनुमोदन के बाद अब पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, लेकिन इसमें लेटलतीफी हो रही है। इससे उत्पादन कंपनी के कर्मचारियों को लाभ मिलने की आस अधूरी है। बीएमएस से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ समेत दूसरे कर्मचारी संगठनों ने कर्मचारियों के समय-समय पर पदोन्नति के मुद्दे को उठाया है। वितरण व ट्रांसमिशन कंपनी में पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, मगर उत्पादन कंपनी के कर्मचारी अभी भी वंचित है। इससे कर्मचारियों में भी आक्रोश है।

निर्णय लेने में लेटलतीफी से कर्मचारियों में है आक्रोश

बीएमएस के उद्योग प्रभारी राधेश्याम जायसवाल ने कहा कि उत्पादन कंपनी में बिजली कर्मचारियों के पदोन्नति के मामले में निर्णय लेने में लेटलतीफी से कर्मचारियों में आक्रोश है। वितरण व ट्रांसमिशन कंपनी में कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उत्पादन कंपनी के लगभग एक हजार कर्मचारियों को पदोन्नति का इंतजार है। संगठन ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग उठाई है।

मानदेय बढ़ाने के बाद दूसरे मुद्दे पर हो चुकी चर्चा

राज्य बिजली कंपनी में संविदा कर्मियों की सेवाएं यथावत रखने और मानदेय बढ़ाने के निर्णय के बाद बीएमएस से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने नियमित कर्मचारियों के मुद्दे उठाए। इस पर सकारात्मक चर्चा के बाद महासंघ ने वर्क टू रूल आंदोलन स्थगित किया था। लंबित मुद्दे पर कर्मचारियों के हितों पर जल्द निर्णय नहीं लेने पर दोबारा आंदोलन से पीछे नहीं हटने की बात कही है।

विद्युत कर्मचारियों को मिलेगा 3 करोड़ का बीमा कवरेज

जनरेशन कंपनी और बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच एमओयू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी व बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच अनुबंध करार किया गया। यह अनुबंध नियमित कर्मचारियों के लिए सैलरी पैकेज के साथ उन्नत बैंकिंग सुविधाएं और ज्यादा कवरेज के लिए किया गया है।

इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार और बैंक ऑफ बड़ौदा के श्री देवाकर के बीच करार पर हस्ताक्षर किया गया। श्री कटियार ने अनुबंध को कंपनी व कर्मचारी हित में बड़ा कदम बताया है। जनरेशन कंपनी मुख्यालय के अलावा हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व व अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में कुल 2700 अधिकारी कर्मचारी कार्यरत है, जिन्हें इस अनुबंध से सीधा लाभ मिलेगा। कंपनी ने विद्युतकर्मियों के लिए बैंक से विशेष पैकेज बनाने का अनुरोध किया था, जिससे कर्मियों को एक ही बैक में किफायती व आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सके। बैंक द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार के साथ अनुबंध होने के साथ-साथ राज्य के अलग अलग सरकारी विभागों में वो ऐसी सुविधाएं दे रहे हैं। जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक संदीप मोदी ने बताया कि अनुबंध में 12 लाख तक का बीमा कवर है। साथ ही दुर्घटना व प्लेन दुर्घटना के लिए 1 से 2 करोड़ का कवरेज है। इसके अलावा डेबिट, क्रेडिट कार्ड में कई प्रकार की छूट व आकर्षक सुविधाएं है। न्यूनतम ब्याज दर पर सभी प्रकार की लोन सुविधा भी उपलब्ध है। लाकर रेंट कैंसिलेशन चार्ज में दिया जाएगा। इन सभी सुविधा का लाभ उठाने के लिए कर्मियों को अपनी सैलरी खाता इस बैंक में खुलवाना होगा। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के महाप्रबंधक (वित्त) नंदनी भट्टाचार्य, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) सौमित्र दुबे, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) एके चंद्राकर, उप-महाप्रबंधक (वित्त) अजय शर्मा व बैंक ऑफ बड़ौदा से पंकज उपस्थित रहे।

किताबें पहुंचने के बाद अब एप से पाठ्य पुस्तक निगम को जानकारी देंगे शिक्षक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्कूलों तक सही और सुरक्षित ढंग से किताबें पहुंचाई जा सकें इसके लिए पाठ्य पुस्तक निगम हर बार नई-नई रणनीतियां बनाता है। इस बार भी नई पहल की गई है। अब स्कूलों तक किताबें पहुंचते ही शिक्षक, प्रधानपाठक जैसे जिम्मेदारों को टीबीसी एप के माध्यम से इसकी जानकारी निगम को देनी होगी। पहले ये काम मैनुअल होता था। किताबें पहुंचने के बाद मैनुअल तरीके से जानकारी पहुंचाई जाती थी। इसमें काफी देर भी होती थी। अब एप के माध्यम से डाटा का मिलान तेजी से हो सकेगा। स्कूली बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तक निगम से किताबें छापी जा रहीं हैं। इनमें 43-45 अलग-अलग टाइटल्स की किताबें शामिल हैं। निगम ने कागज के लिए टेंडर कर दिया है। कागज सप्लाई करने वाली कई कंपनियों ने इसमें भाग लिया है। वर्तमान में दस्तावेजों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया चल रही है। जो इस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। टीबीसी के अफसरों का दावा है कि इस बार भी स्कूलों में समय से किताबें पहुंचाई जाएंगी। पिछले बार स्कूलों में किताबें कम पड़ गईं थी। दो बार किताबें छापनी पड़ी थीं। पिछले साल किताबों की सप्लाई में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए किताबों में क्यूआर कोड भी लगाया गया था।

मोबाइल से कुछ मिनट में बनाएं आभा आईडी, स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखें डिजिटल रूप में सुरक्षित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिले के नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आभा आईडी बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकें। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, उप स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आभा आईडी बनाने की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला-पुरुष और मितानिन द्वारा भी लोगों को आभा ऐप की जानकारी देकर पंजीयन में सहयोग किया जा रहा है।

नागरिक स्वयं अपने मोबाइल से भी आभा आईडी बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने मोबाइल के प्ले स्टोर से आभा ऐप या आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करना होगा अथवा आभा की आधिकारिक वेबसाइट **abha. abdm. gov.in** पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं। ऐप खोलने के बाद 'क्रिएट आभा आईडी' या 'क्रिएट हेल्थ आईडी' विकल्प चुनकर आधार नंबर या मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण किया जा सकता है। मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करने और आवश्यक जानकारी जैसे नाम एवं जन्मतिथि की पुष्टि करने के बाद 14 अंकों की यूनिक आभा आईडी तैयार हो जाती है, जिसे डाउनलोड भी किया जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने बताया कि आभा आईडी एक 14 अंकों की यूनिक हेल्थ आईडी होती है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने स्वास्थ्य से जुड़ी सभी जानकारी जैसे जांच रिपोर्ट, उपचार का विवरण और दवाइयों का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकता है।

पशुपालन विभाग का अमला घर घर जाकर करेगा पशुओं का टीकाकरण

मसान और कटबितला में पशु जागरूकता शिविर संपन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पशु चिकित्सालय भैसमा अंतर्गत ग्राम मसान और कटबितला में पशु जागरूकता शिविर संपन्न हुए। गौरतलब हो कि आगामी 15 मार्च से कोरबा जिला में पशुपालन विभाग द्वारा खुरहा चपका (एफएमडी) प्रारंभ किया जा रहा है। इसके सफल क्रियान्वयन और शतप्रतिशत परिणाम प्राप्त हो इस आशय से उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सालय भैसमा के मातहत ग्राम मसान और कटबितला में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम के पशुपालक उपस्थित होकर लाभांवित हुए। उक्त शिविर में पशुपालकों को बताया गया कि पशुपालन विभाग का अमला घर घर जाकर टीकाकरण करेंगे तथा पशुपालकों की जानकारी राजिस्ट में संधारित भी करेंगे। इस दौरान पशुपालकों के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी प्राप्त कर ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे। जिसमें सभी पशुपालकों से सहयोग का आग्रह किया गया। भारत सरकार द्वारा देश के 800 जिलों में से कोरबा जिला को भी आकांक्षी जिला में शामिल किया गया है। इस दृष्टि से विभागीय योजनाओं का बेहतर प्रचार प्रसार और सफल क्रियान्वयन हो इसके लिए विभागीय प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई । उक्त शिविर पशु चिकित्सालय भैसमा के प्रभारी डॉ. सतीश राठौर, क्षेत्र अधिकारी रश्मि जांगड़े, परिचारक ईश्वर श्रीवास, मोबाइल वेटेरिनरी वेन से संबंधित डॉक्टर व सहायक तथा मनोज भारद्वाज, लखन पटेल और पशुपालकों की उपस्थिति रही।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगाएंगे। आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी भागीदारी रहेगी। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं बाधाएं दूर होंगी। विद्यार्थियों की मेहनत आज रंग लाएगी।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद होने के असार है। आपके क्रोध के कारण बना हुआ काम.. बिगड़ भी सकता है, इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आपकी सेहत अच्छी होगी। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। यदि आज आप नया व्यवसाय शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ साथ ही आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद भी मिलेगी। उधार के पैसे आज वापस मिल सकते हैं। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आज आपके करियर में सार्थक बदल ला सकती है।

सिंह राशि : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके फेवर में आयेगा।

कन्या राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आप अपने कुशल प्रबंधन से रोजगार के नए संसाधन विकसित करने में सफल होंगे। आज कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करने अपनी प्रतिभा का उचित प्रदर्शन से सभी को स्तब्ध कर देंगे। अपने काम और वैवाहिक जीवन के मध्य संतुलन बनाकर रखें। आपके मिलनसार स्वभाव से लोग बहुत प्रभावित आपका मन सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वुमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार उत्सव जैसा वातावरण हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको केटरिंग के व्यवसाय में बड़ा ऑफर मिलने से बढ़िया धन लाभ होने की संभावना है।

धनु राशि : आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद लाभ का योग बन रहा है। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएं अपने बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएगी।

मकर राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप स्वास्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने गुरुजनों का भरपूर साथ और सहयोग मिलेगा। आज आपको घर को डेकोरेट करने का मन करेगा और आप ऐसा करेंगे भी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनाएंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी। आज आपको सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद करने का मौका मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि :आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज शाम दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस करना चाहती है वो पार्ट टाइम वर्क से अपनी अच्छी शुरुआत कर सकती हैं।

कलेक्टर जनदर्शन में सुनी गई जनसमस्याएं

गंभीर रोग से पीड़ितों को उपचार के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ दिलाने के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला कार्यालय में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने दूरस्थ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को गंभीरता से सुना। जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे आवेदकों ने बारी-बारी से अपने आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके।

जनदर्शन में बालको के दिव्यांग प्रदीप कुमार राठौर ने नए ट्राइसाइकिल प्रदान करने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री दुदावत ने उप संचालक समाज कल्याण को निर्देश दिए कि जनदर्शन में आने वाले ट्राइसाइकिल और सहायक उपकरण की आवश्यकता वाले सभी दिव्यांगों के आवेंदनो पर तुरंत कार्यवाही की जाए। साथ ही दिव्यांग प्रमाण पत्र से छूटे दिव्यांगों का प्रमाण पत्र बनवाने में भी पूरा सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग को निर्देशित किया कि जिले में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त सभी दिव्यांगों से संपर्क कर उनकी स्थिति जानी जाए, मरम्मत योग्य ट्राइसाइकिलों को शीघ्र मरम्मत कराए जाएँ और नए ट्राइसाइकिल आवश्यकतानुसार प्रदान किए जाएँ।

आवेदक विपेंद्र कुमार राठौर ने अपने पुत्र देवांश राठौर के हृदय में छेद की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इसी प्रकार लक्ष्मी देवी मांझी ने अपने पुत्र दक्ष मांझी के हृदय वाल्व संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार हेतु मदद का निवेदन किया। संतोष मानिकपुरी ने अपने टेट्रा प्लेजिया रोग के बेहतर इलाज के लिए आर्थिक सहयोग की मांग की। कलेक्टर श्री दुदावत ने इन सभी आवेदनों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रेषित करते हुए पीड़ितों को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

83 वर्षीय बुजुर्ग मनहरण प्रसाद त्रिवेदी ने अपनी जमा राशि निकालने में हो रही परेशानी के संबंध में बताया कि वृद्धावस्था के कारण हस्ताक्षर मिलान नहीं होने की वजह से बैंक से उनकी राशि आहरित करने में कठिनाई हो रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि प्रकरण की पूरी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा बुजुर्ग आवेदक को उनकी धनराशि निकालने में नियमानुसार सहायता प्रदान की जाए। कोरबा नगरीय क्षेत्र के बालको निवासी तारा सोनी एवं अन्य आवेदकों ने अपने मकान न होने की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना के तहत आवास प्रदान करने की मांग की। कलेक्टर ने आवेदकों से उनकी स्वयं की जमीन की स्थिति जानकर कहा कि यदि उनके पास स्वयं की जमीन नहीं है, तो नगर के दादर खुर्द में निर्मित प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में उन्हें किफायती दर पर आवास आबंटित किया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में निगम आयुक्त को आवास की आवश्यकता वाले लोगों से आवेदन प्राप्त कर आवास आबंटित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

जनदर्शन में सीमांकन, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, आरबीसी 6-4 के तहत राहत राशि दिलाने, मुआवजा वितरण, नक्शा दुरुस्त करने, पीएम आवास की राशि प्रदान करने, बिजली आपूर्ति आदि मामलों के कुल 100 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए और आवेदकों को समय पर राहत और समाधान उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी तरुण कुमार किरण, सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल व ओंकार यादव सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

शपथपत्र

मैं संगीता भौमिक, उम्र 28 वर्ष, पति श्री तमल भौमिक, निवासी-माना कैम्प रायपुर, जिला-20 ब्लॉक माना कैम्प, जिला-रायपुर (छ.ग.) की हूं । यह कि, मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूं तथा मेरा आधार कार्ड नंबर 7525 2681 9168 है। यह कि, मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र नगर पालिक निगम कोरबा से जारी हुआ है जिसका पंजीकरण संख्या B202622901720000505 पंजीकरण दिनांक 18.02.2026, जारी दिनांक 26.02.2026 है जिसमें मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश सान्वी दर्ज हो गया है सरनेम भौमिक (BHOWMICK) दर्ज नहीं हो पाया है। यह कि मैं मेरी पुत्री के उक्त जन्म प्रमाण पत्र में उसका वास्तविक सही पूरा नाम सान्वी भौमिक (SANVI BHOWMICK) दर्ज कराकर उसकी द्वितीय प्रति प्राप्त करना चाहती हूं। यह कि मैं नगर पालिक निगम कोरबा के समस्त नियम एवं शर्तों को पालन करने हेतु तैयार हूं। यह कि यह शपथ पत्र मेरे द्वारा उपरोक्त कथन के समर्थन में निष्पादित किया गया है जिसे संबंधित कार्यालय/विभाग में प्रस्तुत करना है।

संगीता भौमिक
माना कैम्प रायपुर
जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्ररूप- एक
(नियम - 11 देखिये)
रा. प्र. क्र. 202503052900003

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, कोरबा
अधिसूचना:-

क्र./2350 / भू-अर्जन / 2026 कोरबा दिनांक 17.02.2026

भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियतम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थातः-

जिला	तहसील	ग्राम / नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
कोरबा	पाली	जरमौहा	0.584 हे.	गुंजननाला व्यपवर्तन योजना के दायीं तट मुख्य नहर निर्माण

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई **दिनांक 08/04/2025 को समय 11:00 बजे से स्थान ग्राम पंचा. जरमौहा** पर नियत की गई है । प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

01. लोक प्रयोजन का संक्षित विवरण :-गुंजननाला व्यपवर्तन योजना के दायीं तट मुख्य नहर निर्माण
02. प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 11 परिवार
03. अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 11 परिवार
04. प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
05. प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
06. क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है? :- हाँ
07. क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है? :- हाँ
08. परियोजना की कुल लागत :- रूपये 1121.23 लाख
09. परियोजना से होने वाले लाभ :- परियोजना से 315 हे. खरीफ क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य प्रस्तावित है।
10. प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :- प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये संभावित उपाय किये जा रहे हैं तथा उस पर होने वाले संभावित व्यय का प्रावधान किया गया है ।
11. परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहित तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी
अनुविभाग - पाली, जिला - कोरबा (छ.ग.)

(कुणाल दुदावंत)
कलेक्टर
जिला - कोरबा एवं पदेन उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-252607089/1

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में एक बैठक के दौरान।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. नई दिल्ली में %सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली% कार्यक्रम में %दिल्ली लखपति बिटिया योजना% के शुभारंभ के दौरान सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा।

नई दिल्ली में %सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली% कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में %सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली% कार्यक्रम को संबोधित किया.

यूएस-इज़राइल हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की कथित हत्या के खिलाफ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, कश्मीर और श्रीनगर के कुछ हिस्सों में लोगों की आवाजाही पर कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में एक मीटिंग के दौरान एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रेसिडेंट जू जियाई से बातचीत की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी (बीच में) का तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी (बाएं) तेलंगाना के शमशाबाद एयरपोर्ट पर स्वागत कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल भी दिख रहे हैं।

खोखले ढांचे वाली इमारतों को आशियाना बना रहे चीनी युवा, अर्थव्यवस्था में मंदी के चलते छोड़ रहे नौकरी

बीजिंग,10 माच (एजेंसी)। चीन की आर्थिक मंदी का असर युवाओं पर साफ दिख रहा है। ऊंची तनख्वाह वाली नौकरियां करने वाले कई युवा अब काम छोड़कर सस्ती और अधूरी पड़ी आवासीय परियोजनाओं में रहने लगे हैं। शंघाई जैसे बड़े शहरों में महंगी जिंदगी और कंपनियों की सुबह 9 से रात 9 तक 12 घंटे काम कराने वाली कठोर व्यवस्था से परेशान होकर युवा अलग रास्ता चुन रहे हैं।

चीन में अब तक कई बेकार पड़ी आवासीय परियोजनाएं देश की अर्थव्यवस्था के मंदी में आने के कारण युवाओं को आकर्षित करने लगी हैं। आर्थिक मंदी के चलते चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई में उच्च वेतन पर नौकरी करने वाले भी नौकरी छोड़ ऐसी परियोजनाओं में रुचि

दिखा रहे हैं। इन्हीं परियोजनाओं में से एक है इतालवी प्रतिकृति के रूप में बनीं अरबों डॉलर की लाइफ इन वेनिस आवासीय परियोजना, जिसमें युवाओं ने रुचि दिखाई है।जिग्यांसु में यह परियोजना दूरस्थ इलाके में बनी, जहां हजारों घरों में से कई घर खोखले ढांचे मात्र हैं। यहां रहने के लिए शंघाई में ऊंचे वेतन पर नौकरी कर रही सासा चेन जैसे लोग भी रहने चले गए हैं। चेन ने आर्थिक मंदी के चलते 28 साल में सेवानिवृत्ति ले ली है।मंदी के साथ मौके घटे तो सस्ते घर बने सहाराचीन में बिगड़ती अर्थव्यवस्था के चलते इन हालात को बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। बीते दशकों में, चीन का उभरता हुआ मध्यम वर्ग नौकरियों और सपनों को पूरा करने के लिए तेजी से विकसित हो रहे महानगरों की ओर उमड़ पड़ा, जो कभी देश के गरीबी से अमीरी की ओर बढ़ने के दौरान प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थे।12 घंटे तक सख्ती से काम ले रही कंपनियां

चीन की अधिकांश बड़ी कंपनियां सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक काम करने का अनिवार्य समय निर्धारित करती हैं। 12 घंटे तक सख्ती से काम लेने की प्रवृत्ति एक बेहद कठिन जीवनशैली है। इस अत्यधिक दबाव के कारण, कुछ युवा पेशेवरों ने नौकरी छोड़ दी है और आरामदायक जीवनशैली नाम के एक प्रतिरोध आंदोलन में शामिल हो गए हैं।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला, ट्रंप बोले- जरूरत पड़ी तो जमीन पर उतारेंगे सैनिक

वाशिंगटन,10 मार्च (एजेंसी)। रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान में जमीनी सैनिक भेजने के संकेत दिए हैं। उन्होंने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को सफल बताया और कहा कि ईरान की सैन्य क्षमता खत्म होने तक हमले जारी रहेंगे। इस युद्ध में अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर हालात की जरूरत हुई, तो वे ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिक भेजने से पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने यह बात तब कही जब सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान ने ड्रोन ने हमला किया। इस हमले के बाद ट्रंप ने तेहरान को जल्द ही कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

क्या बोले राष्ट्रपति ट्रंप?'न्यूयॉर्क पोस्ट' को दिए एक फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने साफ कहा कि उन्हें जमीन पर सैनिक भेजने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि अक्सर राष्ट्रपति कहते हैं कि वे जमीन पर सैनिक नहीं भेजेंगे, लेकिन वे ऐसा नहीं कहते। ट्रंप के मुताबिक, अगर जरूरी हुआ तो वे सैनिकों की तैनाती जरूर करेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और इस्त्राइल की सेनाएं मिलकर ईरान की सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप को निशाना बना रही हैं। इस साझा हमले को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया है।ट्रंप ने ऑपरेशन की तारीफ की

यह सैन्य अभियान शनिवार को शुरू हुआ था और ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इसमें और तेजी आ गई है। ट्रंप ने इस ऑपरेशन की तारीफ करते हुए कहा कि यह उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सैन्य लीडरशिप को खत्म करने के लिए चार हफ्ते का समय तय किया गया था, लेकिन सेना ने इसे बहुत पहले ही कर दिखाया। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि पेंटागन इस सैन्य कार्रवाई को लंबे समय तक जारी रख सकता है और वे इस काम से बोर नहीं होने वाले हैं।

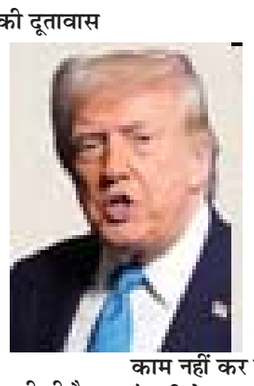

रक्षा मंत्री ने क्या कहा?

वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि फिलहाल ईरान के अंदर कोई अमेरिकी सैनिक काम नहीं कर रहा है। हालांकि, उन्होंने भी भविष्य में सैनिकों की तैनाती से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दुश्मन को यह समझना होगा कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। दूसरी तरफ, वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका किसी लंबे युद्ध में नहीं फंसना चाहता।

अब तक के युद्ध में हुआ है भारी नुकसान

इस लड़ाई में अब तक भारी नुकसान हो चुका है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, हमलों में अब तक ईरान के 555 लोग मारे गए हैं और 130 से ज्यादा शहरों पर हमले हुए हैं। इस्त्राइल में 11 और लेबनान में 31 लोगों की मौत की खबर है। ईरान और उसके सहयोगी गुटों ने भी इस्त्राइल और खाड़ी देशों के तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे पूरे क्षेत्र में एक बड़े और अस्थिर युद्ध का खतरा बढ़ गया है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर हमला, दावा-32 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए

काबुल/इस्लामाबाद ,10 मार्च (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं।अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना की हालिया घुसपैठ का बदला है। पाकिस्तान ने पिछले दिनों काबुल और बगराम एयरबेस पर हमले किए थे। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगान हवाई सीमा का उल्लंघन किया या कोई आक्रामक हरकत की, तो उसे और भी कड़ा और निर्णायक जवाब मिलेगा।यह तनाव तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का एलान कर दिया। पाकिस्तान ने शुक्रवार को काबुल और कंधार में एयरस्ट्राइक की थीं। इसके कुछ घंटों बाद ही अफगान सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रावलपिंडी का नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे मई 2025 में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी निशाना बनाया गया था। उस हमले में बेस के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा था।टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने रात भर चले हमलों में 32 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी 203 मंसूरी, 201 सिलाब और 205 अल-बद्र कॉर्प्स ने इन ऑपरेशनों को पूरा किया। चार सैन्य चौकियां पूरी तरह तबाह हो गईं। अफगान सेना ने पाकिस्तान के दो सैन्य ड्रोन भी मार गिराए हैं। डिप्टी प्रवक्ता सेदिकुल्लाह नसरत ने बताया कि सेना ने नंगरहार, पक्तिया, खोस्त और कंधार प्रांतों में दुश्मन के खिलाफ लेजर हथियारों और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल फिलहाल इन हमलों के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है।

ईरान का बड़ा हमला, अमेरिकी युद्धपोत 'अब्राहम लिंकन' पर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ,10 मार्च (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेताकी मौत के बाद पश्चिम एशिया में हालात और अधिक विस्फोटक हो गए हैं। क्षेत्र में पहले से जारी तनाव अब सीधे सैन्य टकराव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। इसी बीच ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना के एक बड़े युद्धपोत को निशाना बनाया गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी विमानवाहक पोत पर चार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी सूत्रों का कहना है कि यही युद्धपोत हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में शामिल था, जिसके तहत ईरान के ठिकानों को निशाना बनाया गया था।हालांकि इस हमले को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिकी पक्ष ने पहले ही चेतावनी दी थी कि उसके सैन्य ठिकानों या जहाजों पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह हमला सत्य साबित होता है, तो यह सीधे तौर पर अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य संघर्ष का संकेत हो सकता है।

रद्द कर देने चाहिए पाकिस्तानियों के सभी वीजा', अमेरिकी दूतावास परिसर में हुए प्रदर्शन के बाद उठी मांग

वॉशिंगटन,10 मार्च (एजेंसी)। ईरान पर अमेरिका के हमले के बाद पाकिस्तान के कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं।लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा, अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए। उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे।उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। लूमर ने लिखा, ईरान पर अमेरिकी हमलों के बदले के रूप में दूतावास पर कब्जा करने की कोशिश करने के बाद पाकिस्तान में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर तैनात अमेरिकी मरीन द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों को मौके पर ही गोली मार दी जा रही है। हालांकि, जानकारी में हताहतों की संख्या या गोलीबारी की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि कार्रवाई अमेरिकी मरीन की तरफ से की गई है या स्थानीय पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे अंजाम दिया है।लूमर ने पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए लिखा कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी और वहां कट्टरपंथ को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह देश अमेरिका और भारत के लोगों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देता है। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और आर्थिक केंद्र कराची में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों को लेकर विरोध प्रदर्शन पहले भी होते रहे हैं।

नेपाल में चुनाव सामग्री ले जा रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत, टेक्सास बार पर फायरिंग, दो की मौत

वॉशिंगटन,10 माच (एजेंसी)। चुनाव के लिए चुनाव सामग्री और कर्मचारियों को ले जा रही एक गाड़ी सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना रामेचाप जिले के देउराली में हुई, जब मिनी ट्रक सड़क से उतरकर 150 मीटर गहरी ढलान पर गिर गया। इसमें एक पुलिसकर्मी और एक शिक्षक की मौत हुई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। घायलों को बाद में हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया।

अमेरिका के टेक्सास में एक बार गोलीबारी, दो की मौत

अमेरिका में टेक्सास के एक बार के बाहर अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी कर दो लोगों की हत्या और 14 को घायल कर दिया। पुलिस और एफबीआई के अनुसार, 53 वर्षीय संदिग्ध नडियागा डायग्ने पहले किसी जांच या रडार पर नहीं था। हमलावर ने ईरानी झंडे वाले कपड़े पहने थे और हमला उस समय हुआ जब बार और आसपास के इलाके में लोग मौजूद थे। मामले की जांच संभावित आतंकवादी कार्रवाई के तौर पर की जा रही है।

साहित्य के जरिये भारतीय छात्र जानेंगे रूसी सर्दी का मिजाज

रूस के एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने भारतीय छात्रों के लिए साहित्यिक ग्रंथों में रूसी सर्दी विषय पर एक विशेष टेलीब्रिज आयोजित किया। मॉस्को स्थित विदेशी साहित्य पुस्तकालय से संचालित होने वाले इस कार्यक्रम में भारत के 9 राज्यों के 13 शहरों की 14 यूनिवर्सिटीज के छात्र हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दिल्ली, पुणे, हैदराबाद और कोल्हापुर जैसे शहरों के संस्थान शामिल हैं। यह आयोजन मॉडर्न रशियन प्रोजेक्ट के तहत रशियन हाउस (नई दिल्ली) के सहयोग से किया जा रहा है।पाकिस्तान में भारी हिंसा के बाद सेना तैनात, अब तक 26 की मौतईरान पर अमेरिकी और इस्त्राइली हमलों के विरोध में पाकिस्तान में भड़की हिंसा ने उग्र रूप ले लिया है। देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने सोमवार को उत्तरी क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान में सेना तैनात कर दी और देशभर में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है।शिया बहुल स्कार्दू में रविवार को प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कार्यालय में आग लगा दी थी, जिसके बाद हुई झड़पों में एक सैनिक समेत 14 लोग मारे गए। कराची में प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की बाहरी दीवार तोड़ दी, जहां 10 लोगों की मौत हुई। वहीं, राजधानी इस्लामाबाद में भी दो लोगों की जान गई है। गिलगित-बाल्टिस्तान के सूचना मंत्री गुलाम अब्बास ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना को बुलाया गया है और गिलगित एवं स्कार्दू में तीन दिनों का कर्फ्यू लगाया गया है। प्रदर्शनकारी हवाई हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते हैं। प्रशासन ने अमेरिकी मिशनों की सुरक्षा बढ़ा दी है, फिर भी कई शहरों में तनाव बरकरार है।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

No.15-06/S&P/EE- IV/Boiler/P/W/TN-24/26/726 Marwa, dtd.06-03-2026

NOTICE INVITING E-TENDER NO TN-24/2026: -

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) for supply of material and work as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa:-

S. No.	Tender Specification No.	RFx No. (E-Tender No.)	Particulars	Last Date/ Time of submission of bid.	Tender Fee	EMD
01.	15-06/S&P/ EE-IV/ Boiler/P/ T-30/26	8100049795	Supply of Refractory for Boiler 2x500 MW, ABVTPS , CSPGCL, Janjgir-Champa.	06.04.2026 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- + GST @ 18%)	Rs. 11,800/-
02.	15-06/S&P/ EE-IV/ Boiler/W/ T-31/26	8100049797	Work Contract for complete Erection & Installation of Raw Coal Feeder Outlet Lower Transition Chute (Model EG-3651) at 2x500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir -Champa.	06.04.2026 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- + GST @ 18%)	Rs. 14000/-

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Procurement)
O/o The Addl. Chief Engineer (S&P)
ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

सम्पादकीय...

टी-ट्वेंटी में बादशाहत

एक बार फिर भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे स्वरूप टी-20 में अपनी सर्वोच्चता साबित की है। हालांकि, भारत के हर क्षेत्र में शानदार खेल ने दर्शकों को फाइनल मुकाबले के रोमांच से वंचित किया, लेकिन भारतीय टीम ने हर क्षेत्र में बेजोड़ श्रेष्ठता प्रदर्शित की। भारतीय टीम निर्भीकता से खेली। मुख्य कोच गौतम गंभीर का अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को अनियमित फॉर्म के बावजूद महत्वपूर्ण फाइनल के लिये टीम में बरकरार रखना सही साबित हुआ। संजू सैमसन ने तीन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में निर्णायक पारी खेली। वहीं चतुर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी गेंदबाजी का जादू बिखेरा। हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, ईशान किशन, शिवम दुबे ने महत्वपूर्ण अवसरों पर योगदान दिया। यह अच्छी बात है कि सुपर आठ के एक मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार को भारतीय टीम ने एक सबक के तौर पर लिया। जिससे टीम को जीत की लय में वापस आने में सहायता मिली। यह सुखद ही है कि दो साल से भी कम समय में भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप के दो खिताब हासिल किए। निस्संदेह, इस उल्लेखनीय उपलब्धि में इंडियन प्रीमियर लीग में टी-20 मैचों का लगातार अभ्यास जीत की लय बनाये रखने में मददगार साबित हुआ। क्रिकेट के दीवाने इस देश में प्रीमियर लीग ने क्रिकेट प्रतिभाओं को अपने खेल में निखार लाने का एक बेहतर अवसर उपलब्ध कराया। यह शानदार जीत, भारत द्वारा वनडे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के ठीक एक साल बाद मिली है। लेकिन एक अंतर्विरोध यह भी है कि सफेद गेंद के क्रिकेट और व्यावसायिक खेल के इस मिश्रण ने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कमजोरी को उजागर किया है। जिसका उदाहरण घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार है, जो हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह एक हकीकत है कि जब तक भारत टैस्ट मैचों में अपनी स्थिति मजबूत नहीं करता, तब तक भारत का वैश्विक क्रिकेट में पूरी तरह वर्चस्व हासिल करना संभव न होगा। कमोबेश, महिला टीम के मामले में भी यही बात लागू होती है, जिसने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीता। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस टीम की पकड़ भी ढीली हुई है। वास्तव में दोनों टीमों को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में संतुलित कामयाबी के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इस हकीकत को जानते हुए कि खेल जगत के परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट का दबदबा हमेशा बना रहना है, अब चाहे टीमें अच्छा खेलें या कमजोर। भारत में उपलब्ध क्रिकेट के समृद्ध संसाधनों और लगातार सामने आती नई प्रतिभाओं के चलते आईसीसी की तमाम प्रतियोगिताओं में भारतीय दबदबा आने वाले वर्षों में भी बना रह सकता है। इस टी-20 विश्वकप में भारतीय जीत को इसी नजरिये से देखने की जरूरत है। लेकिन जरूरत इस बात की होगी कि व्हाइट बॉल के साथ भारतीय टीम रेड बॉल क्रिकेट में अपना वर्चस्व बनाये रखे। टीम वनडे और टी-20 के साथ टेस्ट क्रिकेट में भी तमाम परिस्थितियों के बावजूद जीत का जज्बा बनाये रखे। इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन द्वारा दिखाया गया खेल भारतीय टीम के लिये निर्णायक साबित हो सकता है। जिन्होंने तीन महत्वपूर्ण मैचों में अस्सी से अधिक रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभायी है। लंबे समय तक उपेक्षित रहने के बावजूद जब उन्हें परिस्थितिवश खेलने का मौका मिला तो उन्होंने अवसर का भरपूर लाभ उठाकर खुद को साबित किया। वे सिर्फ पांच मैच खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सबसे शानदार खिलाड़ी का खिताब हासिल करने में कामयाब हुए। इसी तरह टूर्नामेंट में किफायती रन रेट के साथ निर्णायक विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह की उपलब्धियां भी कम नहीं रहीं। विपक्षी टीम के खिलाड़ियों पर वे मनौवैज्ञानिक दबाव बनाने में भी कामयाब रहे। वे मैच की दिशा बदलने वाले गेंदबाज भी साबित हुए। निर्णायक फाइनल मैच में तीन विकेट लेने वाले अक्षर पटेल के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता। लेकिन अभी भी टीम को अपनी फील्डिंग में चुस्ती लाने की जरूरत है ताकि फिर किसी टूर्नामेंट में एक दर्जन से अधिक कैच छोड़ने की तोहमत न लगे। बहरहाल, नए क्रिकेटरों की ऊर्जा इस टूर्नामेंट में भारत का पलड़ा भारी करने में खासी मददगार साबित हुई।

एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त

अजीत द्विवेदी

दिल्ली में हुआ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत में एआई क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने वाले कार्यक्रम साबित होगा या वक्ती मीडिया हाइप के बाद इसका भी मामला नेपथ्य में चला जाएगा और सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा, जैसा पहले चलता रहा है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अब तक हुई तमाम औद्योगिक और संचार क्रांतियों में भारत की भूमिका नगण्य रही है। पहली औद्योगिक क्रांति में भी भारत ने न कुछ आविष्कार किया और न कोई निर्माण किया।

उसी तरह संचार क्रांति में भी भारत का योगदान एक यूजर देश के रूप में ही रहा। भारत ने हर क्रांति में बने उत्पादों का इस्तेमाल किया। अगर सोशल मीडिया क्रांति में भारत की उपलब्धि यह है कि भारत में सबसे ज्यादा 45 करोड़ फेसबुक यूजर हैं तो एआई क्रांति में अभी तक भारत की उपलब्धि का आंकड़ा यह है कि भारत में चैटजीपीटी के अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा यूजर हैं। भारत में इनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या साढ़े 14 करोड़ है।

अब दुनिया भर की एआई कंपनियों में होड़ मची है कि किसके यूजर सबसे ज्यादा होंगे। गूगल को अपने जेमिनी के यूजर बढ़ाने हैं तो सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ मीटिंग के बाद मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देगा। इसी तरह सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई भी चैटजीपीटी के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण देगी। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 30 लाख लोगों को प्रशिक्षण देने की घोषणा की है। 30 साल पहले इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट के ट्रेनिंग कैंप लगते थे। उनके पेशेवर भारत के लोगों को माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम के इस्तेमाल की जानकारी देते थे। लोगों को ईमेल और सर्च इंजन के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया जाता था।

आज भी वही इतिहास दोहरा रहा है। आप कोई भी यूट्यूब प्लेटफॉर्म खोलिए वहां सबसे ज्यादा विज्ञापन इस बात का आ रहा है कि एआई का इस्तेमाल करना सीखें और कमाई बढ़ाए। याद करें कैसे पहली संचार क्रांति के समय गली गली में कंप्यूटर और लैपटॉप रिपेयर की दुकानें खुलीं, उसके बाद मोबाइल हैंडसेट के रिपेयर और सिम बेचने की दुकानें खुलीं और अब हर जगह एआई सिखाने की दुकानें खुल रही हैं।

सवाल है कि इसमें भारत का अपना क्या है? इसी एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की कंपनी सर्वम ने अपना प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। बेंगलुरू स्थित कंपनी ने पहला मल्टी बिलियन पैरामीटर का एलएलएम यानी लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया। लेकिन अभी इसका इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है। आम लोगों के बीच यह नहीं पहुंचा है और न इसके पेशेवरों द्वारा लोगों को सर्वम के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ओर अमेरिका की कंपनियों के प्लेटफॉर्म करोड़ों की संख्या में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। चैटजीपीटी के कई वर्जन आ गए। उसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह जेमिनी, ग्रॉक, परप्लेक्सिटी जैसे प्लेटफॉर्म का करोडों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। चीन के डीपसीक की बात छोड़ दें तो अमेरिकी कंपनियां पूरी दुनिया पर छा गई हैं। उनके यहां इस पर इतना रुपया खर्च किया जा रहा है, जिसकी भारत में कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अमेरिका अगले साल एआई पर साढ़े छह सौ बिलियन डॉलर यानी करीब छह लाख करोड़ रुपए का है। चीन अगले साल सौ बिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपए का है। इसके मुकाबले भारत सरकार ने इस साल बजट में एआई के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सोचें, कहां छह लाख और एक लाख करोड़ और कहां एक हजार करोड़! दुनिया के एआई पेटेंट में भारत का हिस्सा सिर्फ 0.39 फीसदी है तो चीन का हिस्सा 70 फीसदी है। भारत सरकार एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है लेकिन देश के अरबपतियों ने लाखों करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया। इतना बड़ा ऐलान है कि अमेरिका और चीन भी चित हो जाएं। अडानी समूह ने अगले 10 साल में 18 लाख करोड़ तो अंबानी समूह ने सात साल में 10 लाख करोड़ रुपए निवेश का ऐलान किया है। सोचें, यह रकम पढ़ कर लगेगा कि अब भारत एआई क्रांति का विश्वगुरू बनने वाला है। भारत को कोई नहीं रोक सकता है। यह भी भाव मन में पैदा होगा कि अमेरिका और चीन भारत के इन दो कारोबारियों के सामने क्या हैं। अब सवाल है कि क्या ये दोनों कारोबारी किसी एआई प्लेटफॉर्म का निर्माण करेंगे, क्या ये कोई चैटजीपीटी जैसा बना देंगे और भारत के लोग उसका इस्तेमाल करने लगेंगे? हम ज्यादा उम्मीद नहीं करते हैं। यह नहीं सोचते हैं कि भारत के अंबानी और अडानी कुछ ऐसा बना देंगे, जिसका इस्तेमाल अमेरिका या यूरोप के लोग करने लगेंगे लेकिन क्या भारत के लोगों के लिए भी ये कंपनियां कुछ बना पाएंगी? इनका इतिहास देखते हुए लग नहीं रहा है कि ये कुछ बनाएंगी। इन्होंने एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त किया है। टाटा से लेकर अंबानी, अडानी तब सबने किसी न किसी अमेरिकी कंपनी के साथ तालमेल कर लिया है।

ये लोग उनके वेंडर की तरह काम करेंगे। भारत में सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाएंगे और उसके इस्तेमाल की फीस वसूल कर कमाई करेंगे। उस कमाई का भी बड़ा हिस्सा अमेरिका जाएगा।

अब सवाल है कि भारत की कंपनियां इतना रुपया किस चीज में निवेश करेंगी? भारत की कंपनियों का निवेश जमीन अधिग्रहण करने, उस पर बड़ी इमारतें बनवाने और वहां एआई के डेटा सेंटर स्थापित करके उन्हें चलाने में खर्च होगा। वे बुनियादी ढांचा तैयार करके अमेरिकी कंपनियों को देंगी ताकि वे अपना डेटा सेंटर स्थापित करें। यह बहुत दिलचस्प संयोग है कि भारत सरकार ने इस साल बजट में डेटा सेंटर को 21 साल तक के लिए टैक्स छूट देने की घोषणा की है। यानी विशाल डेटा सेंटर बनेंगे और सरकार को कोई टैक्स नहीं दिया जाएगा। इतना ही नहीं डेटा सेंटर में इस्तेमाल होने वाली बिजली आम इस्तेमाल से 40 फीसदी सस्ती होगी। कंपनियां बजट में मिली इस छूट का लाभ उठाएंगी।

ध्यान रहे भारत में डेटा कैपिसिटी अभी 1.2 गीगावॉट की है जो अगले चार साल में बढ़ कर पांच गीगावॉट होने वाली है। इसके लिए 20 से 30 गीगावॉट बिजली की जरुरत होगी और इसी अनुपात में डेटा सेंटर्स की कूलिंग के लिए अरबों लीटर पानी की जरुरत होगी। इस तरह भारत अपनी जमीन देगा, टैक्स छूट देगा, सस्ती बिजली देगा, पानी देगा और सस्ता मानव संसाधन देगा, जिस पर प्राइमरी कमाई अमेरिकी कंपनियों की होगी और उसके बाद उनकी पिछलग्गू भारतीय कंपनियों की कमाई होगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे

हरिशंकर व्यास

दुनिया भर में एक के बाद एक बड़े सम्मेलन हो रहे हैं। पहले जनवरी में स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक हुई। उसके बाद फरवरी में जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस हुई। फिर दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। अगले महीने भारत में रायसीना डायलॉग्स होंगे। सवाल है कि इन तमाम सम्मेलनों में भारत के लिए क्या है? क्या दुनिया भारत को पूछ रही है या भारत किसी भी मामले में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है? आर्थिक मंच की बैठक में या सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में या एआई समिट में भारत के पास दिखाने के लिए क्या था? ले देकर भारत के पास एकमात्र चीज यह है कि भारत दुनिया भर के उत्पाद खरीद सकता है। चाहे उपभोक्ता उत्पाद हों या हथियार हों या एआई की तकनीक हो, भारत एक खरीदार है। इसके अलावा कोई भारत की परवाह नहीं करता।

म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी दुनिया की प्राथमिकता दिखी। जिस समय यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सेशन होना था उस समय पूरा हॉल भरा हुआ था, लोग खड़े होकर फ्रांस और यूक्रेन की बात सुन रहे थे। यूरोप के लोगों के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध एक चिंता की बात है। लेकिन इसके तुरंत बाद भारत और जर्मनी का सेशन था, जिसमें पूरा हॉल खाली पड़ा हुआ था। किसी को इस बात की चिंता नहीं थी कि भारत क्या कह रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत ने किसी तरह की भूमिका नहीं निभाई। भारत ने सिर्फ बयानबाजी की। प्रधानमंत्री मोदी ने हर जगह कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनको लगता था कि यह बहुत बड़ा वाक्य है और इसे बोलने से युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन युद्ध के चार साल हो गए। यूरोप के सारे देश यूक्रेन की मदद करते रहे लेकिन भारत इस दौरान रूस से तेल खरीदता रहा। तभी म्यूनिक सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भारत अप्रासंगिक था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बात कह आए लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

उससे पहले दावोस में भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री विश्व आर्थिक मंच में हिस्सा लेने पहुंचे थे। लेकिन पूरा सम्मेलन अमेरिका और यूरोप के मुद्दे पर केंद्रित रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मंत्रियों के साथ पहुंचे थे और अमेरिका ने अपना पैवेलियन बनवाया था। लेकिन दावोस में यूरोप के देशों ने कमाल की एकजुटता दिखाई। ट्रंप ने ग्रीनलैंड लेने की बता कही तो अगली कतार में बैठे ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति उठ कर चले गए। उनके साथ साथ यूरोप के ज्यादातर देशों के नेता वहां से निकल गए।

सबने बाहर जाकर कहा कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। यूरोप के देशों ने मिल कर ट्रंप की दादागिरी का मुकाबला किया और मजबूरी में ट्रंप को टैरिफ लगाने के फैसले से पीछे हटना पड़ा। लेकिन वहां भी भारत के नेता क्या कर रहे थे? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दावोस जाकर अपने ही राज्य के एक बड़े बिल्डर लोढा समूह के साथ एग्रीमेंट किया। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दावोस में टाटा समूह के साथ करार किया। सोचें, भारत के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दावोस जाकर ऐसे ही घूमते रहे और अपनी देशी कंपनियों से ही निवेश का करार करके लौटे।

ऐसे ही दिल्ली के एआई समिट में हुआ है। दुनिया भर की एआई कंपनियों ने भारत में अपने लिए बाजार की संभावना देखी और निवेश का वादा किया। यह कितनी हैरानी की बात है कि भारत ने ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक्स के डारियो अमोदाई, गूगल के सुंदर पिचाई आदि की बात की लेकिन किसी दूसरे देश ने भारत के सर्वम या परम की बात नहीं की। इसका मतलब है कि भारत में एआई के सेक्टर में जो काम हो रहा है उसे लेकर दुनिया में कोई गंभीर नहीं है। सबको पता है कि भारत में कोई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार नहीं हो रहा है, जो चैटजीपीटी या ग्रॉक या क्लॉड, जेमिनी या परप्लेक्सिटी या डीपसीक का मुकाबला कर सके। भारत सेक्टर बेस्ड एप्लीकेशंस बनाएगा, जिसे भारत में भी कम ही लोग इस्तेमाल करेंगे। भारत की तकनीकी क्षमता की पहले परीक्षा हो चुकी है। दुनिया देख चुकी है कि भारत एक ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं बना पाया और न सोशल मीडिया का एक प्लेटफ़ॉर्म बना सका। सो भारत लार्ज लैंग्वेज मॉडल कैसा बनाएगा यह दुनिया को पता है। भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे। भारत का कोई भी एआई उत्पाद दुनिया में जगह नहीं बना पाएगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

ध्यान परम बुद्धि का द्वार

श्रीश्री रवि शंकर

अगर आप किसी बच्चे की नजर से देखें, तो पूरी दुनिया जीवंत लगती है। हर चीज में जीवन है और हर चीज आपस में संवाद कर रही है। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम जीवन को अधिक यांत्रिक रूप से देखने लगते हैं। हम तनाव से निपटने के लिए आदतें अपना लेते हैं, लेकिन ये आदतें हमें दुनिया को देखने के अधिक गतिशील तरीकों से दूर कर देती हैं। वैदिक परंपरा में, लोग प्राणप्रतिष्ठा नामक प्रक्रिया के माध्यम से निर्जीव वस्तुओं में प्राण या सूक्ष्म जीवन शक्ति, का संचार करने में विश्वास रखते हैं। वैदिक ज्योतिष भी ग्रहों को व्यक्तित्व प्रदान करता है और वृहद जगत और सूक्ष्म जगत के बीच संबंध की बात करता है। उत्तरी हिमालय और तिब्बती परंपराओं में, लोग देवताओं से संवाद करने में विश्वास रखते हैं। मूल अमरीकी समुदायों, बाली के चिकित्सकों और माओरी बुजुर्गों जैसी स्वदेशी संस्कृतियों ने लंबे समय से प्रकृति को सजीव, प्रतिक्रियाशील और रहस्यमय माना है। लेकिन आज स्थिति बिलकुल उलट है। दुनिया एक बड़े बदलाव के कगार पर है। मशीनें उन कार्यों का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें पूरा करने लगी हैं जिन्हें कभी केवल मानव क्षमता माना जाता था। कृत्रिम बुद्धिमता में हुई प्रगति के कारण वे यह काम तेजी से, बड़े पैमाने पर और बहुत कम लागत में कर सकती हैं। जहां यह असाधारण प्रगति का वादा करता है, वहीं यह कुछ गहरे मुद्दों को भी चुपचाप हिलाकर रख देता है। विभिन्न उद्योगों और संस्थानों में लोग एक अपरिचित चुनौती का सामना कर रहे हैं। न केवल आर्थिक व्यवधान है, बल्कि चिंता, अलगाव और मानवीय क्षमताओं पर संदेह की भावना भी बढ़ती जा रही है। इस पृष्ठभूमि में, यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमता से बहुत पहले, एक ऐसी परम बुद्धि में विश्वास था जो ब्रह्मांड को नियंत्रित करती है। इतिहास में, इस दर्शन ने महान विद्वानों को नवाचार करने, खोज करने और सृजन करने के लिए प्रेरित किया है। ध्यान, बुद्धि के इस आयाम तक पहुंचने की मानवता की सबसे पुरानी तकनीक है। यह गहन विश्राम से कहीं अधिक शक्तिशाली अनुभव प्रदान करता है और यह हमारी उच्च चेतना और चेतना के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का एक साधन है। मेरे विचार से हम एक से अधिक प्रकार के परिवेश में निवास करते हैं। पहला है बाह्य परिवेश, जिसमें वह भौतिक जगत शामिल है जिसे हम देखते और स्पर्श करते हैं। यह तत्त्वों से निर्मित है। यह वह परिवेश है जहां मशीनें और एल्गोरिदम अब बढ़ती सटीकता के साथ कार्य करते हैं। दूसरा है आंतरिक परिवेश, विचारों, स्मृतियों और भावनाओं का क्षेत्र। जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं तो आपकी जागरूकता स्वाभाविक रूप से यहीं पहुंच जाती है। यहीं विचारों का संश्लेषण होता है और भावनाएं उत्पन्न होती हैं।

भारत–अमरीका व्यापार समझौता खटाई में

डा. अश्विनी महाजन

अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए विवादित टैरिफ को रद्द कर दिया है और राष्ट्रपति की आर्थिक नीति की आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि कानून आपातकालीन प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। कोर्ट ने यह फैसला 6-3 के बहुमत से सुनाया। साफ है कि इस फैसले ने डोनाल्ड ट्रंप के दूरगामी टैरिफ एजेंडे पर काफी हद तक विराम लगा दिया है। ट्रंप द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के मद्देनजर भारत सरकार ने अमरीका के साथ एक अंतरिम समझौता करने हेतु कदम बढ़ाया था, उसके लिए एक मसौदे हेतु सहमति दी थी। अमरीकी प्रशासन उस मसौदे से इतर भी कई बातों के बारे में बयानबाजी कर रहा था, जिसके कारण एक ओर भ्रम फैल रहा था और भारत सरकार की भी आलोचना हो रही थी। अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के अधिकतर टैरिफ को खारिज कर दिया है, उसके साथ ही भारत द्वारा इस मसौदे के अनुसार अंतरिम समझौते हेतु बातचीत को टाल दिया गया है। माना जा रहा है कि भारत के नीतिकार और व्यापार वार्ताकार परिस्थिति पर नजर रखे हुए हैं। जब से राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी दूसरी पारी शुरू की है, दुनिया भर में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। अमरीका समेत पूरी दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ के नखरे झेल रही है। न सिर्फ उनके विरोधी, बल्कि उनके समर्थक भी राष्ट्रपति ट्रंप की पॉलिसी की आलोचना करते दिख रहे हैं। टैरिफ नीति को राष्ट्रपति ट्रंप की सबसे बड़ी गलती बताया जा रहा है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के लगाए गए ज्यादातर टैरिफ को रद्द कर दिया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि अमरीका के लिए दुनिया भर के देशों पर ज्यादा टैरिफ लगाना सही क्यों नहीं था। सब जानते हैं कि अमरीका एक उच्च लागत वाली अर्थव्यवस्था रही है। एक समय था जब अमरीका में उद्योग काफी उन्नत और बड़ी संख्या में थे, और फल-फूल रहे थे। कारें, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल सामान, टेक्सटाइल और केमिकल्स जैसे कई उत्पाद अमरीका में बनते थे। उन दिनों अमरीका में आयात शुल्क काफी ज्यादा थे, जिससे उसके उद्योग काफी सुरक्षित रहते थे और सरकार को अच्छा-खासा राजस्व भी मिलता था। लेकिन, अपने लोगों को सस्ता सामान देने के लिए, अमरीका ने आयात शुल्क को कम करना शुरू कर दिया। लेकिन, धीरे-धीरे अमरीका की दूसरे देशों पर निर्भरता बढ़ती गई, और अमरीका के ज्यादातर उद्योग बंद हो गए। 1995 से, जब विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) बना, तो कम टैरिफ अब स्थायी हो गए। कम टैरिफ वाले आयातों से आखिरकार जनता को बाकी दुनिया से कम कीमत का सामान तो मिला, लेकिन उसके साथ ही अमरीका के उद्योग भी नष्ट हो गए। उत्पादन की ज्यादा लागत के कारण, यह माना जाता था कि अमरीका में मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस अब लाभकारी नहीं रहा। शायद इसीलिए राष्ट्रपति ट्रंप को लगता था कि जब टैरिफ ज्यादा थे, तब अमरीका की अर्थव्यवस्था मजबूत थी और तेजी से बढ़ रही थी। लेकिन, यह समझना होगा कि जब अमरीका बाद में औद्योगिक सामान के उत्पादन में पीछे रह गया, तो उसी समय उसने टेक्नोलॉजी उत्पाद, महंगी फार्मास्यूटिकल्स, बौद्धिक संपदा अधिकारों और विशेषज्ञता पूर्ण सेवाओं में भी महारत हासिल की, और दुनिया भर में काम करने वाली अमरीकी कंपनियों से अच्छा-खासा टैक्स और दूसरा राजस्व कमाना जारी रखा। वस्तु उद्योग में गिरावट के बावजूद, अमरीका ने प्रतिरक्षा, हाई टेक्नोलॉजी, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतरिक्ष इत्यादि में अपना वैश्विक दबदबा बनाए रखा। दुनिया भर के देशों को अमरीका की आर्थिक सामरिक और तकनीकी ताकत पर भरोसा बना रहा। 1999 में यूरो के आने के बाद भी, अमरीकी डॉलर ने दुनिया की रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना दबदबा बनाए रखा, और वैश्विक रिजर्व करेंसी में डॉलर का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत के आसपास बना रहा। हालांकि, औद्योगिक गिरावट के कारण अमरीका का औद्योगिक रोजगार कम हो गया था, लेकिन इस गिरावट की भरपाई नई कम आमदनियों वाली नौकरियों से हो तो गई, लेकिन अमरीका की आर्थिक ताकत की वजह से, कोई खास पब्लिक गुस्सा नहीं हुआ, क्योंकि सरकार ने कम आय वाले लोगों के नुकसान की भरपाई आर्थिक मदद से कर दी। राष्ट्रपति ट्रंप के दुनिया भर के देशों पर ज्यादा टैरिफ लगाने से उन देशों के निर्यातों पर कई तरह से असर पड़ा। हालांकि, असल में, इसका असली खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा, क्योंकि ज्यादा टैरिफ ने सामान को महंगा कर दिया और इसलिए, आम लोगों की खरीदने की ताकत कम होने लगी। इसके अलावा जैसे-जैसे महंगाई बढ़ रही है, नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है।

राजस्व का भ्रम : टैरिफ में बढ़ोतरी के साथ, कैलेंडर साल 2025 के दौरान, कुल टैरिफ राजस्व लगभग 287 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले सालों के 70-80 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा है। लेकिन, अगर हम कुल केंद्रीय (फेडरल) राजस्व में टैरिफ के योगदान पर विचार करें, तो यह अभी भी लगभग 4 से 5 प्रतिशत ही है, जबकि पिछले दशकों में यह आम तौर पर 2 प्रतिशत था। अमरीकी राजस्व का बड़ा हिस्सा व्यक्तिगत आय कर, कॉर्पोरेट आय कर और सामाजिक सुरक्षा योगदान वगैरह से आता है। हालांकि टैरिफ की वजह से कुल राजस्व थोड़ा बढ़ा है, लेकिन इन टैरिफ की कुल सामाजिक लागत बहुत ज्यादा और अहम है, क्योंकि अमरीकी मार्केट में उपभोक्ताओं को जरूरी चीजों के लिए ज्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं, जिससे समाज के कमजोर तबके के लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं और सरकारी खजाने पर नुकसान की भरपाई करने का दबाव पड़ सकता है।

वैश्विक गुस्सा और उसके नतीजे : यह ध्यान देने वाली बात है कि जब अमरीका में टैरिफ कम थे और अलग-अलग देश अमरीका को कई तरह का सामान निर्यात करते थे, तो उनका अमरीका की तरफ झुकना स्वाभाविक था। इससे अमरीकी कंपनियों को दुनिया भर के अलग-अलग देशों में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए काफी सद्भावना और मौका मिला। इन कंपनियों ने न सिर्फ वैश्विक स्तर पर लाभ कमाया, बल्कि अपनी बौद्धिक संपदा से अच्छी-खासी रॉयल्टी और अन्य प्रकार से कमाई की। इससे अमरीका में कॉर्पोरेट इनकम टैक्स राजस्व में काफी बढ़ोतरी हुई। आज, यह वैश्विक समर्थन खत्म होने के कगार पर है क्योंकि अमरीका उन देशों को ज्यादा टैरिफ लगाकर सजा दे रहा है। ये देश न सिर्फ दूसरे बाजार ढूंढ रहे हैं, बल्कि अपना रुख अमरीका से हटकर दूसरे देशों की ओर कर रहे हैं। अमरीका की वैश्विक सद्भावना खोने के नतीजे में, लंबे समय में अमरीका की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। दुनिया भर के देश अब डॉलर के बजाय अपनी स्थानीय करेंसी में अंतरराष्ट्रीय भुगतान कर रहे हैं। ब्रिक्स जैसे समूह ज्यादा अहम होते जा रहे हैं, जिससे अमरीका का भू-राजनीतिक असर कम हो रहा है। हालांकि ट्रंप कानून में बदलाव करके सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने की कोशिश कर सकते हैं, और वे ऐसा कानून पास करने की कोशिश कर सकते हैं जिससे राष्ट्रपति को ऐसे टैरिफ लगाने का पूरा अधिकार मिल जाए, क्योंकि कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन का बहुमत है, भले ही बहुत कम अंतर से। लेकिन शायद यह मुमकिन न हो, क्योंकि अभी सभी रिपब्लिकन टैरिफ के मुद्दे पर उनका साथ नहीं दे रहे हैं। बहरहाल, असमंजस के चलते ही भारत ने 23 फरवरी को शुरू होने वाली व्यापार वार्ता को आगे टाल दिया है। यानी कुल मिलाकर कह सकते हैं कि अमरीका और भारत के बीच अंतरिम समझौता अब खटाई में पड़ सकता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

ईरानी युद्धपोत का वीडियो बनाने के आरोप में कोच्चि में दो पत्रकार गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

कोच्चि, 10 मार्च [एजेंसी]। एक प्रमुख राष्ट्रीय टीवी चैनल के दो पत्रकारों को कोच्चि के मट्टनचेरी घाट के पास खड़े एक ईरानी युद्धपोत की तस्वीरें लेने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर केरल तट पर लंगर डाले जहाजों की तस्वीरें या वीडियो रिकार्डिंग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।गिरफ्तार पत्रकारों के साथ ही उस नाव के चालक को भी हिरासत में ले लिया गया है, जिसमें सवार होकर वे युद्धपोत के पास गए थे। अधिकारियों के अनुसार, पत्रकारों ने ईरानी युद्धपोत आइरिस लावन की तस्वीरें लेने का प्रयास किया, जो वर्तमान में कोच्चि तट के पास खड़ा है।इससे पहले मीडिया टीम ने क्षेत्र की सुरक्षा कर रहे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों से संपर्क कर युद्धपोत की तस्वीरें लेने की अनुमति मांगी थी।

खाड़ी में फंसे हजारों पर्यटक, क्रुज कंपनी ने शुरू किया राहत अभियान, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद

दुबई, 10 मार्च [एजेंसी]। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद हो जाने से खाड़ी क्षेत्र में हजारों अंतरराष्ट्रीय यात्री फंस गए हैं। हालात ऐसे बने कि कम से कम छह बड़े क्रुज जहाजों पर करीब 15 हजार यात्री कई दिनों से खाड़ी देशों में अटके हुए हैं। सरकारी निकासी प्रक्रिया धीमी पड़ने के बीच स्विट्जरलैंड स्थित दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी क्रुज कंपनी एमएससी ने आगे बढ़कर अपने यात्रियों को सुरक्षित घर पहुंचाने की पहल शुरू कर दी है। कंपनी ने दुबई में फंसे अपने जहाज एमएससी यूरिबिया के यात्रियों को निकालने के लिए अब तक सात चार्टर्ड फ्लाइट्स की व्यवस्था की है और कई कमर्शियल विमानों में सीटों के ब्लॉक खरीदे हैं। इसके जरिए 1500 से अधिक यात्रियों को दुबई से उनके देशों तक भेजा जा चुका है।

कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन पियरफ्रांसेस्को वागो ने कहा कि कंपनी की टीमें दुनिया भर में लगातार काम कर रही हैं ताकि सभी यात्रियों को सुरक्षित और जल्द घर पहुंचाया जा सके।6,327 यात्रियों की क्षमता वाला एमएससी यूरिबिया 27 फरवरी को दुबई पहुंचा था। इसके ठीक अगले दिन ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात की ओर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। इसके बाद दुबई प्रशासन ने मोबाइल अलर्ट जारी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों में रहने की चेतावनी दी। हालांकि अधिकतर हमलों को वायु रक्षा प्रणाली ने रोक दिया, लेकिन जहाज पर मौजूद यात्रियों ने डेक से आसमान में आग के गोले और धमाके होते देखे और कई दिनों तक डर और अनिश्चितता में रहे। एमएससी के अनुसार अधिकांश यात्री यूरोप भेजे जा रहे हैं। एक चार्टर्ड उड़ान में 280 ब्रिटिश और आयरिश यात्री लंदन पहुंच चुके हैं, जबकि कुछ अमेरिकी यात्री दुबई से डैलस के लिए रवाना हुए। बाकी अमेरिकी यात्रियों को भी शनिवार तक निकालने की योजना है।

दुबई में सेलेस्टियल डिस्कवरी और अरोया मनारा जहाज खड़े हैं, जबकि सेलेस्टियल जर्नी और जर्मनी का टीयूआइ मीन शिफ-5 कतर की राजधानी दोहा में रुके हुए हैं। वहीं टीयूआइ मीन शिफ-4 अबू धाबी में खड़ा है। दोहा में सेलेस्टियल जर्नी पर फंसे अमेरिकी यात्री एडविन क्रान ने बताया कि उनका जहाज दुबई जाने वाला था, लेकिन संघर्ष शुरू होने के बाद वह कई दिनों से वहीं रुका है।

चीन में रमजान पर सख्त पहरा: शिनजियांग में 500 से अधिक उइगर गिरफ्तार, धार्मिक पाबंदियां तेज

बीजिंग। चीन के शिनजियांग प्रांत में रमजान के दौरान अवैध धार्मिक गतिविधियों के आरोप में 500 से अधिक उइगरों को गिरफ्तार किया गया है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिदों के आसपास चौकियों की संख्या बढ़ा दी गई है, जबकि वहां रह रहे लोगों के घरों की तलाशी ली जा रही है। इससे लोगों में दहशत है। इम्पैक्ट इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, रमजान में उइगरों की गिरफ्तारी से वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि रमजान माह में वहां तमाम तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे मानवाधिकारों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है।

बंगाल चुनाव का काउंटडाउन: कोलकाता पहुंचेगी चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ, दो दिनों तक होगा तैयारियों का महा-मंथन

कोलकाता। बंगाल में विधानसभा (विस) चुनाव की घोषणा से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग की पूर्ण पीठ दो दिनी दौरे पर रविवार रात कोलकाता पहुंचेंगी।राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्ण पीठ नौ मार्च से बैठकें करना शुरू करेगी। सबसे पहले ज्ञानेश कुमार सुबह कालीघाट मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। मालूम हो कि कालीघाट मंदिर बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र में है। उसके बाद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी।आयोग बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया व आगामी विस चुनाव की तैयारियों को लेकर उनकी शिकायतों व सुझावों पर गौर करेगा। उसी दिन दोपहर सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल पूर्ण पीठ के समक्ष बंगाल में जारी हुई अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे।

चीन की सेना राजनीतिक वफादारी बढ़ाए, शीर्ष जनरलों के निष्कासन के बाद पहली बार बोले शी चिनफिंग

बीजिंग। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के शीर्ष अधिकारियों को हटाने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शनिवार को सेना से राजनीतिक वफादारी बढ़ाने और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म के लिए कहा।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोई गुंजाइश नहीं है। एक शीर्ष जनरल ने भी सैन्य अधिकारियों से चीनी राष्ट्रपति के आदेश का पूरी तरह पालन करने को कहा।चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में पीएलए और पीपुल्स आर्म्ड पुलिस फोर्स के अधिकारियों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात में चिनफिग ने सेना में राजनीतिक वफादारी बढ़ाने की खास ताकत का पूरा फायदा उठाने पर जोर दिया।उन्होंने नेशनल डिफेंस और आमर्ड फोर्स को लगातार आधुनिक बनाने के लिए मिलकर कोशिश करने को भी कहा। जनवरी में पीएलए के सबसे बड़े अधिकारी जनरल झांग यूशिया समेत दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के बाद चिनफिंग की यह पहली बैठक थी। इस बदलाव को हाल के इतिहास में पीएलए में बड़ा सफाई अभियान माना जा रहा है, जिससे लोगों में हैरानी की लहर दौड़ गई थी। झांग यूशिया राष्ट्रपति चिनफिंग की अगुआई वाले सबसे ताकतवर केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष थे।उनके हटने के बाद छह सदस्यों वाली सीएमसी घटकर दो सदस्यीय रह गई है। इनमें चिनफिंग के अलावा अनुशासन निरीक्षण निकाय के सचिव जनरल झांग शेंगमिन शामिल हैं। सीएमसी चीन की सेना की समग्र हाई कमान है। जनरल शेंगमिन ने भी मौजूदा संसद सत्र में अपने भाषण में कहा, हमें गहन राजनीतिक सुधार करने होंगे, कम्युनिस्ट पार्टी के आचरण में सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार से का पूरी तरह से पालन करना होगा।

संघ लोक सेवा आयोग 2025: 301वीं रैंक पर दो आकांक्षा सिंह का दावा, नए विवाद के बीच आयोग पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, 10 मार्च [एजेंसी]।संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में 301वीं रैंक पर आकांक्षा सिंह नाम की दो महिला अभ्यर्थियों के दावे से विवाद खड़ा हो गया है। परिणाम आने के दूसरे दिन शनिवार को भी उप्र व बिहार की दोनों अभ्यर्थियों ने चयन को लेकर अपना-अपना दावा पेश किया।वहीं, इन विरोधाभासी दावों के बीच सभी की नजर संघ लोक सेवा आयोग के आधिकारिक स्पष्टीकरण पर टिकी है। बिहार के आरा की आकांक्षा सिंह ने शनिवार को मुख्य परीक्षा से संबंधित तथ्यों को रखा। वह रणवीर सेना के संस्थापक स्व. ब्रह्मेश्वर मुखिया की पोती और इंदुभूषण सिंह की पुत्री हैं।मीडिया में उनके चयन की बात आते ही गाजीपुर की डॉ. आकांक्षा सिंह ने 301वें नंबर पर अपने चयन का दावा करते हुए इससे संबंधित प्रवेश पत्र और रोल नंबर के साथ वीडिया वायरल किया। गाजीपुर के जमानियां ब्लाक की रहने वाली डॉ. आकांक्षा ने पटना एम्स से एमबीबीएस और एमएस किया है और स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। पिता रंजीत सिंह वायुसेना में जूनियर वारंट आफिसर हैं। वहीं, अपने दादा के निधन पर गांव पहुंचीं डॉ. आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने प्री, मेंस और इंटरव्यू तीनों परीक्षाएं रोल नंबर 0856794 से दी थीं और उनकी 301वीं रैंक आई है। इस संबंध में वह आयोग को ई-मेल भी करने वाली हैं। एडमिट कार्ड पर मौजूद बारकोड को स्कैन करने पर भी यही रोल नंबर आता है। डॉ. आकांक्षा को यह सफलता दूसरे प्रयास में मिली है। उधर, दूसरी तरफ, आरा की आकांक्षा सिंह का कहना है कि यूपीएससी में साक्षात्कार उन्हीं का हुआ है और 301वीं रैंक भी उन्हीं का है। उन्होंने मुख्य परीक्षा के लिए भरे जाने वाले फार्म की कॉपी भी दिखाई।

साक्षात्कार में बुलाए जाने वाले ई-समन प्रवेश पत्र मांगे जाने पर उन्होंने कहा कि मोबाइल फार्मेट हो गया है, इसलिए वह साक्षात्कार के बाद मिस हो गया है, लेकिन उसकी कॉपी जनरेट करने के लिए उन्होंने यूपीएससी को मेल किया है।उन्होंने कहा कि धौलपुर हाउस में उनका सुमन शर्मा के बोर्ड में साक्षात्कार हुआ और वहां के सीसीटीवी में साक्षात्कार में जाते हुए और आते हुए उन्हें देखा जा सकता है। उनका कहना है कि उन्होंने डैफ (डिटेल्स एप्लीकेशन फार्म) भरा है और इसकी कापी भी दिखा रही हैं, यह फार्म मुख्य परीक्षा में सफल होने के बाद ही भरा जाता है, जिसमें अभ्यर्थी का विस्तृत विवरण होता है।

तीन माह बाद देश के लड़ाकू विमान उड़ाकर इतिहास रचेंगी हरियाणा की इशिता सांगवान

चरखी दादरी, 10 मार्च [एजेंसी]। बेटियों को अगर मौका मिले तो वो ऐसा कारनामा कर सकती हैं जो पहले कभी ना हुआ हो। एयरफोर्स में फाइटर पायलट का प्रशिक्षण ले रहीं चरखी दादरी जिले के गांव छपार निवासी इशिता सांगवान इसकी बानगी हैं।वो एनडीए के जरिए देश के पहले महिला फाइटर पायलट बैच का हिस्सा हैं और एक साल की ट्रेनिंग पूरी होने में अब केवल तीन माह बाकी है। जून 2026 में वो कमीशन प्राप्त कर लेंगी और उसके बाद वो देश के लड़ाकू विमान उड़ाएंगी। फिलहाल वो एडवांस फाइटर एयरक्राफ्ट उड़ाने का प्रशिक्षण ले रही हैं। इशिता की यह उपलब्धि अपने आप में खास है, क्योंकि इससे पहले कोई भी बेटी देश की फाइटर पायलट नहीं बनी है।बता दें कि छपार निवासी इशिता सांगवान महज 22 वर्ष की हैं। अगस्त 2022 में एनडीए के जरिए 19 बेटियों का चयन हुआ था जिनमें वो भी शामिल थीं। इसके बाद इन बेटियों की तीन साल की ट्रेनिंग हुई थी, जो 30 मई 2025 को पूरी हुई थी। दो बेटियां प्रशिक्षण पूरा नहीं कर पाई थीं जबकि 17 ने प्रशिक्षण पूरा किया। इन 17 बेटियों में से दो बेटियों को एयरफोर्स, चार को नेवी व 11 को आर्मी विंग में एक साल का प्रशिक्षण पूरा करना था।इशिता सांगवान को एयरफोर्स में फाइटर पायलट बनने की ट्रेनिंग हैदराबाद में दी जा रही है। उनके पिता चरण सिंह सांगवान ने बताया कि जून 2026 में प्रशिक्षण पूरा होते ही इशिता को कमीशन प्राप्त हो जाएगा। इशिता के अलावा जिस दूसरी बेटी को एयरफोर्स विंग मिली है वो भी हरियाणा से ही हैं।उन्होंने संवाददाता के साथ बातचीत में इशिता सांगवान की उपलब्धि की कहानी भी सांझा की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में इशिता कोटा में थीं और उस दौरान उन्होंने उसे फोन कर बताया कि लड़कियां भी अब एनडीए में जा सकती हैं। यह सुनकर उसे बेहद खुशी हुई। इससे पहले यह विकल्प न होने के कारण सिविल सर्विसेज में जाना इशिता का लक्ष्य था, लेकिन इसके बाद उसने एनडीए को चुना। इशिता सांगवान ने बताया कि वर्ष 2022 में वो 12वीं कक्षा की परीक्षा की तैयारियों में जुटी थीं और एक माह के बाद एनडीए की लिखित परीक्षा थी। 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा के लिए की जा रही तैयारी का काफी फायदा हुआ जबकि इसके बाद 15 दिन की तैयारी कर एसएसबी भी क्लीयर कर दिया।

6 अगस्त 2022 को घर ज्वाइनिंग लेटर पहुंचा और 9 अगस्त को पुणे जाकर ज्वाइन कर लिया। इसके बाद एनडीए का तीन साल का प्रशिक्षण पूरा किया और अब एयरफोर्स में फाइटर पायलट बनने के लिए 9 माह का प्रशिक्षण ले चुकी हैं जबकि तीन माह का प्रशिक्षण शेष है।शिता सांगवान के पिता चरण सिंह सांगवान व माता अनीता सांगवान शिक्षक हैं। वहीं, उनकी बहन आस्था एमबीबीएस कर रही हैं।

एनडीए का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद इशिता अपने पैतृक गांव छपार आई थीं।इशिता सांगवान ने अन्य बेटियों को भी एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बेटियां बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें और फिर पूरी शिद्दत से उसे पाने के लिए मेहनत करने में जुट जाएं। फिर देखेंगी कि कुछ भी असंभव नहीं है। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुशी मिलती है और ताउम्र उसका फक्र रहता है।

जामतारा में हिंदू सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब गोपाल शर्मा बोले- हिंदू नहीं रहा तो दुनिया नहीं रहेगी

रांची, 10 मार्च [एजेंसी]। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा ने हिंदुओं से आह्वान किया कि सभी को एक साथ रहने की जरूरत है। सामूहिक शक्ति के अभाव में हिंदू समाज बिखर रहा है। इसे बचाए रखने की जरूरत है। हिंदू नहीं रहा तो दुनिया नहीं रहेगी।सनातन से ही सृष्टि की रक्षा संभव है। समाज में जो भी समस्याएं हैं, उसका समाधान भी संभव है। हिम्मत और साहस कभी नहीं छोड़ना है। वे शनिवार को जामताड़ा जिले के करमाटार प्रखंड क्षेत्र के पिंडारी स्थित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। सम्मेलन का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और मां दुर्गा की विशेष आरती के साथ हुआ। गोपाल शर्मा ने लोगों से धर्म के मार्ग पर चलने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी से अपने परिवार में पांच प्रकार के काम करने के लिए प्रेरित किया। पहला अपने परिवार में भेदभाव समाप्त करना है। दूसरा समाज के सभी परिवारों को अपना परिवार समझना। तीसरा काम मंदिर, पानी, श्मशान सभी के लिए एक है, ऐसी भावना को प्रगाढ़ करना है। चौथा काम सप्ताह में एक दिन एक साथ बैठना, साथ में भोजन करना। पांचवां काम पर्यावरण की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश और संस्कृति के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए भी कृत संकल्पित रहना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर्यावरण संरक्षण के लिए जन्मदिन व विवाह वर्षगांठ पर एक पेड़ लगाने का अभियान चला रही है, जो सभी के सहयोग से ही सफल होगा और पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी।

सम्मेलन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता था कि सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में जुटने लगी थीं।भगवा ध्वजों से सजे परिसर में हर तरफ जय माता दी और जय श्री राम के उद्घोष गूंज रहे थे। आयोजन समिति द्वारा आए हुए अतिथियों के लिए भव्य स्वागत और महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कारों की जानकारी मिलती है। मौके पर आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख अरुण झा, विभाग कार्यवाह राजाराम, जिला कार्यवाह शिवशंकर सहित आरएसएस के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।जब देश में संगठित हिंदू होगा तभी सामर्थ्यवान भारत होगा। आज सामर्थ्यवान भारत है तभी हम पड़ोसी मुल्कों में भारी युद्ध के बीच भी होली जैसे त्योहार मना पा रहे हैं। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सामाजिक सद्भावना संयोजक राकेश लाल ने बाघमारा में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में कही। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह पर सफल हिंदू समाज के बैनर तले शनिवार को बाघमारा बड़ी ठाकुरबाड़ी मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन किया गया था। सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में डुमरा, तेलोटांड़, बरोरा, भीमकनाली से महिला पुरुषों ने भाग लिया। लाल ने कहा कि देश में कुछ शक्तियां हिंदू को जाति में बांटकर कमजोर कर रही है।जब प्रयागराज में 65 करोड़ लोगों ने जात पात, अमीर गरीब से ऊपर उठकर एक साथ संगम में डुबकी लगाई तो वहां सिर्फ एक भावना थी हम हिंदू हैं। उसी समर्पण के साथ हमें संगठित होकर समग्र भारत का निर्माण करना है। पूरे विश्व में भारत ऐसा देश है जिसको हम धरती माता कहते हैं।कार्यक्रम के दौरान संगीतमय भजनों की प्रस्तुति ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मौके पर जिला संघसंचालक विशु रवानी, अशोक मिश्रा मौजूद थे। आयोजन में विजय शर्मा, सत्यनारायण पांडेय, सीताराम चौधरी, बैजनाथ प्रसाद, विपिन ठक्कर, सोनू साव, कुणाल सिंह, देवानंद साव, प्रदीप रवानी, गिरधारी खंडेलवाल, भास्कर पांडेय, महेश सिन्हा, सुजीत राय, चन्द्रमा प्रसाद आदि मौजूद थे

बंगाल को अशांत करना चाहती तृणमूल सरकार प्रल्हाद जोशी ने सीएम ममता पर जमकर बोला हमला

सिलीगुड़ी, 10 मार्च [एजेंसी]। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह घुसपैठियों को आश्रय देकर राज्य को अशांत करना चाहती है ताकि सत्ता में बनी रहे। वह शनिवार को दिल्ली से सिलीगुड़ी पहुंचे। यहां वह भाजपा की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने आए हैं।बागडोगरा हवाईअड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने ममता सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ चुका है।उन्होंने कहा कि टीएमसी का मुख्य उद्देश्य राज्य को अराजकता और अशांति में रखकर अपनी सत्ता को मजबूत करना है। टीएमसी एसआईआर का विरोध इसलिए कर रही है, क्योंकि वह घुसपैठियों को संरक्षण देना चाहती है। एसआइआर पहले भी होता रहा है लेकिन अब सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में इसका बेहतर उपयोग हो रहा है। तृणमूल भयभीत है क्योंकि बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है।उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को न तो चुनाव आयोग पर भरोसा है, न ही नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक पर। ममता भारत सरकार और लोकसभा पर भी भरोसा नहीं करती।

क्या किम जोंग की बेटी किम जू ऐ होंगी उत्तर कोरिया की अगली सर्वोच्च नेता? उम्र सिर्फ 13 साल

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया दुनिया के अधिकांश देशों के लिए एक रहस्य बना हुआ है। नियमित मिसाइल प्रक्षेपण, भव्य सैन्य परेड और राज्य मीडिया की फिल्टर की गई छवियों के अलावा, प्योंगयांग के सत्ताधारी वर्ग की आंतरिक कार्यप्रणाली अस्पष्ट है। लेकिन हाल ही में एक तस्वीर ने इस परंपरा को तोड़ दिया।2026 के नव वर्ष के दिन, किम जोंग उन ने किम इल सुंग और किम जोंग इल के संरक्षित शवों के सामने झूमर और संगमरमर के मेहराबों के नीचे खड़े होकर श्रद्धांजलि दी, जो भव्य कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन में रखे हुए हैं। वहीं, पहली नजर में, यह उत्तर कोरिया की गुप्त शासन व्यवस्था की एक और योजनाबद्ध घटना लग रही थी। लेकिन तस्वीर में कुछ खास था

पेयजल संकट:पानी पर 20 हजार करोड़ खर्च, फिर भी नल-बोर सूखे, अब मल्टी विलेज प्रोजेक्ट

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। प्रदेश में मार्च के पहले पखवाड़े में ही तेज गर्मी शुरू जल संकट शुरू होने लगा है। कई जगहों पर बोर सूखने लगे हैं। इस वजह से राजधानी सहित राज्य के कई इलाकों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। यह स्थिति तब उत्पन्न हो रही है जब राज्यभर में अलग-अलग विभागों ने वाटर सप्लाई के लिए पिछले करीब 7 सालों में भिन्न-भिन्न योजनाओं पर 20 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।राज्य सरकार ने अब ग्रामीण इलाकों में भू-जल संकट और दूषित जल वाले इलाकों में स्थायी समाधान के लिए मल्टी-विलेज स्कीम शुरू कर दी है। इसके तहत 4527 करोड़ की लागत से 18 जिलों में 71 मल्टी-विलेज योजनाएं शुरू की गई हैं।इस प्रोजेक्ट से 3 हजार से अधिक गांवों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। पानी की सप्लाई के लिए गांव-गांव और शहरों में हजारों ओवरहैड टैंक बनाए गए। नाले के गंदे पानी को साफ करने के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किए गए ताकि उस पानी का उपयोग फैक्ट्री और अन्य कार्यों में उपयोग किया जा सके।इससे पीने का पानी का उपयोग अन्य कार्यों में नहीं होगा। इन तमाम प्रयासों के बाद शहरों में गर्मी के दिनो में पानी का संकट बना रहता है। जबकि पेयजल व्यवस्था सुधारने जल जीवन मिशन, अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत मिशन) और अन्य शहरी-ग्रामीण जल योजनाओं के माध्यम से लगभग 20 हजार करोड़ तक खर्च किए जा चुके हैं।

धान भिगोकर बढ़ा रहे थे वजन, वीडियो वायरल होने पर जांच, 4 कर्मचारी बर्खास्त

नवापारा-राजिम, 10 मार्च [एजेंसी]। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भलेरा स्थित धान खरीदी केंद्र में धांधली का मामला सामने आया है। यहां कर्मचारियों द्वारा धान के स्टॉक पर पानी डालकर वजन बढ़ाने की कोशिश की जा रही थी। खरीदी केंद्र के पास स्थित तालाब से पाइप लगाकर गुरुवार शाम धान में पानी डाला जा रहा था।

होली के कारण आसपास सन्नाटा था, इसी का फायदा उठाकर यह काम किया जा रहा था। इस दौरान खरीदी केंद्र के सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए गए थे। ग्रामीणों को इसकी जानकारी लगने पर किसी ने वीडियो बनाकर व्हाट्सएप पर वायरल कर दिया।

मामला सामने आने पर कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई गई। टीम ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें प्रथम दृष्टया धान में पानी डालने की पुष्टि हुई। इसके बाद खरीदी प्रभारी समिति प्रबंधक विष्णु साहू, सहायक लिपिक

उमेश कुमार साहू, कर्मचारी इन्द्रमन निषाद और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी जितेंद्र साहू को बर्खास्त कर दिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।तालाब से पाइप लगाकर धान में डाला पानीखरीदी केंद्र के पास ही तालाब है। कर्मचारियों ने वहीं से पाइप लगाकर धान के स्टॉक में पानी डाला। जांच टीम के पहुंचने पर मौके के पास पाइप भी मिला। टीम ने कुछ बोरियों को खाली कराकर भी जांच की, जिसमें धान गीला पाया गया।

जानिए... पानी डालने से कैसे होता है फायदाधान में पानी डालने से उसका वजन बढ़ जाता है। इससे सुखत की भरपाई हो जाती है और तौल में अधिक धान निकलता है। कई बार इससे केंद्र के पास अतिरिक्त धान भी बच जाता है, जिससे हेराफेरी की आशंका रहती है।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में प्रधानमंत्री सड़क योजना के चीफ इंजीनियर की हो सकती है बर्खास्तगी

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। जाति प्रमाण-पत्र प्रकरण पर उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने प्रधानमंत्री सड़क योजना के चीफइंजीनियर के.के. कुटारे के अनुसूचित जाति प्रमाण-पत्र को गलत ठहराते हुए निरस्त कर दिया है। समिति ने इस फैसले के बाद कुटारे को सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है। बता दें कि छानबीन समिति के चेयरमैन प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के अलावा समिति में डॉ. सारांश मित्तर, विनीत नंदनवार, लोक शिक्षण संचालक रितुराज रघुवंशी, रमा उइके, डॉ. अनिल वितुलकर और सदस्य सचिव हिना अनिमेष नेताम की टीम ने कुटारे के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने की शिकायत की जांच की है। कुटारे प्रधानमंत्री सड़क योजना के साथ-साथ प्रधानमंत्री विकास अभिकरण के भी चीफइंजीनियर हैं। समिति द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और छत्तीसगढ़ में जाति प्रमाण-पत्र सत्यापन संबंधी प्रावधानों के तहत यह कार्रवाई की गई है।

धर्मांतरण को लेकर मारपीट, घर में तोड़फोड़,बिलासपुर में पुलिस के सामने पिटाई, पीड़ित पक्ष बोला- 112 के पायलट ने गुंडे बुलाकर पीटा

बिलासपुर, 10 मार्च [एजेंसी]।छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर बवाल हो गया। डायल-112 के पायलट पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगा है। यह भी आरोप है कि होली के दिन उसने कुछ लोगों के साथ मिलकर पड़ोस में रहने वाले परिवार के साथ मारपीट की और उनके घर में तोड़फोड़ की। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है।

मोहितराम खांडे अपने परिवार कुंदरा पारा में रहते है। पास में ही तोमन खांडे रहता है, जो डायल-112 के पायलट हैं। मोहितराम और तोमन आपस में रिश्तेदार भीं है। लेकिन तोमन ईसाई धर्म को मानता है। आरोप है कि तोमन खांडे मोहितराम के परिवार पर धर्म परिवर्तन कराने दबाव बना रहा था।

विरोध करने पर उसने बाहर से गुंडे बुलाकर परिवार के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। जबकि तोमन ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

शुक्रवार को पीड़ित परिवार की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसएसपी से सुरक्षा की मांग करते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।

पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले करीब 12 दिनों से डर के कारण अपने घर लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। इधर, पुलिस का कहना है कि घटना के बाद पीड़ित थाने आए थे, लेकिन उस समय धर्मांतरण की कोई बात सामने नहीं आई थी। उन्होंने जमीन विवाद होने की जानकारी दी थी। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही है।

दरअसल, तोमन खांडे कुंदरा पारा में रहता है। वह पिछले 10-12 सालों से ईसाई धर्म को मान रहा है। मोहल्ले में ही रिश्तेदार मोहितराम खांडे अपने परिवार के साथ रहते हैं। आरोप है कि तोमन मोहितराम के परिवार पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बना रहा था।

तोमन पुलिस का डर दिखाकर धमकाता है और कहता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मोहितराम के अनुसार, तोमन खांडे के घर में हर रविवार पादरी को बुलाकर धर्म प्रचार किया जाता है और आसपास के लोगों पर भी धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है।इस विवाद को लेकर पहले भी कई बार मारपीट और धमकी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनकी शिकायत थाने में की जा चुकी है।पीड़ित का दावा- घटना का वीडियो मौजूदपीड़ित पक्ष का कहना है कि 15 फरवरी को तोमन अपने साथियों के साथ पहली बार धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाने पहुंचा था। जब इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और बात मारपीट के साथ ईंट-पत्थर चलने तक पहुंच गई। पीड़ितों का दावा है कि उस दिन की घटना का वीडियो भी उनके पास मौजूद है।आरोप है कि होली के दिन भी धर्म परिवर्तन करने को लेकर दबाया बनाया। विरोध करने पर मारपीट की। वहीं, शुक्रवार को पीड़ित परिवार न्याय की मांग लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा और आवेदन देकर मामले की शिकायत की। जिस पर पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आरोपों को बेबुनियाद बताया

तोमन खांडे ने लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि जमीन से जुड़े पुराने विवाद के चलते मोहितराम खांडे और उनके परिजनों ने ही उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की। आरोप है कि उनके घर में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया गया। नगदी और जेवर भी गायब हो गए, जिससे उन्हें करीब 80 से 90 हजार रुपए का नुकसान हुआ है।इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रहा है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ठेलका चौक में तेज रफ्तार सब्जी वाहन बिजली के खंभे से टकराया, दंपति घायल

दुर्ग, 10 मार्च [एजेंसी]। धमधा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच ठेलका चौक सोसायटी के पास एक और बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार सब्जी से भरा वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।हादसे में लक्ष्मण और उनकी पत्नी सविता घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में भर्ती कराया गया।बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर धमधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खैरागढ़-धमधा मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से ठेलका चौक और डेल्टा चौक के पास स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है।

धारदार चाकू के साथ नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थानाक्षेत्र में पुलिस ने धारदार हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से एक नाबालिग बालक है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से धारदार चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 06.03.26 को थाना खम्हारडीह पुलिस की टीम द्वारा थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत अवंति विहार स्थित श्याम पान पैलेस के पास हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते व डराते धमकाते एक नाबालिग बालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग धारदार चाकू जप्त कर उसके विरूद्ध थाना खम्हारडीह में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। इसी प्रकार खम्हारडीह क्षेत्र में चण्डी नगर रेलवे लाईन के पास हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते व डराते धमकाते आरोपी गणेश ध्रुव पिता दीनकर ध्रुव उम्र 19 साल निवासी देवारपारा सुभाष नगर तेलीबांधा रायपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग धारदार चाकू जप्त कर उसके विरूद्ध थाना खम्हारडीह में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

रायपुर में मूकबधिर दिव्यांगों को मिलेगी नौकरी

निजी कंपनियां इंटरव्यू के जरिए करेंगी भर्ती, 18 से 35 साल के अभ्यर्थी हो सकेंगे शामिल

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। मूकबधिर दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 9 मार्च को प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया जाएगा। यह कैम्प विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर और डॉ. रेड्डीस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। कैम्प सुबह 10 बजे से सुंदर नगर स्थित ग्रो रायपुर केंद्र पीडब्ल्यूडी मकान नंबर 843 कुशालपुर फ्लायओवर के पास लगाया जाएगा।

विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर की उपसंचालक डॉ. शशी अतुलकर ने बताया कि इस प्लेसमेंट कैम्प में कई निजी कंपनियों की ओर से साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जाएगी। इसमें प्रमुख रूप से फ्लिपकार्ट, बिग बास्केट और टपरी द कैफे सहित अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक मूकबधिर दिव्यांगजन इस कैम्प में भाग ले सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है।कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को 10वीं, 12वीं या स्नातक की

अंकसूची, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की मूल और फोटोकॉपी के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। उपसंचालक डॉ. शशी अतुलकर ने पात्र अभ्यर्थियों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

युवक पर चाकू से हमला कर उतारा मौत के घाट, एक गिरफ्तार

भाटापारा शहर, 10 मार्च [एजेंसी]। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भाटापारा के सामने आरोपी मनोज ध्रुव एवं अन्य 03 आरोपियों द्वारा मृतक गणेश झंझोटे का रास्ता रोककर, पुरानी बात को लेकर वाद विवाद करते हुए अपने पास रखे चाकू से हत्या करने के नियत से गणेश झंझोटे के शरीर में वारकर दिया गया, जिससे गणेश को गंभीर चोंटे आई। तत्पश्चात उसे इलाज के लिए तुरंत जीवन मल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर द्वारा गणेश झंझोटे को मृत घोषित किया गया। थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में शामिल 04 आरोपियों की पहचान कर ली गई है तथा जिसमें से एक आरोपी मनीष ध्रुव को तत्काल हिरासत में भी ले लिया गया है। प्रकरण में जांच एवं विवेचना कार्रवाई जारी है तथा मृतक गणेश झंझोटे की हत्या करने वाले आरोपियों की सरगर्मी से पता तलाश की जा रही है। प्रकरण में प्राची करण राठौर उर्फबिट्टू उम्र 27 वर्ष निवासी शक्ति वार्ड भाटापारा की रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्र. 93/2026 धारा 126(2),103(1),109(1),3(5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। संपूर्ण प्रकरण के संबंध में जांच एवं विवेचना कार्यवाही पश्चात पृथक से जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझी, दोस्त ही निकला कातिल, 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। फाफाडीह स्थित रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी के पीछे संदिग्ध परिस्थितियों में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने 12 घंटे के भीतर बड़ा खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक को घर से घुमाने ले जाने वाला उसका दोस्त ही हत्या का आरोपी निकला।

जानकारी के अनुसार 05 मार्च 2026 की सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि खारुन विहार स्थित रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी फाफाडीह के पीछे नाले के पास एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही डीसीपी सेंट्रल जोन, एडिशनल डीसीपी, कोतवाली एसीपी सहित थाना गंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा व साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। जांच के दौरान मृतक की पहचान राजा साहू (लगभग 25 वर्ष) निवासी चुनाभट्ठी, थाना गंज क्षेत्र के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि राजा सुबह करीब 8 बजे किसी परिचित युवक के साथ बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर पता चला कि चुनाभट्ठी निवासी बिट्टू यादव (19 वर्ष) राजा साहू को घर से अपने साथ लेकर निकला था और वही घटना स्थल के पास भी दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पतासाजी कर घेराबंदी की और उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक अक्सर साथ घूमते थे। कुछ दिन पहले उसकी गाड़ी में हुई टूट-फूट का पैसा वह राजा से मांग रहा था। बार-बार पैसे मांगने के बावजूद पैसे नहीं मिलने से वह नाराज था। इसी बात को लेकर सुबह दोनों के बीच विवाद हुआ और गुस्से में आरोपी ने राजा पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ कर आगे की साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार डीसीपी सेंट्रल जोन के मार्गदर्शन में अलग-अलग टीम बनाकर सीसीटीवी जांच, आरोपी की पतासाजी और साक्ष्य संकलन किया गया, जिसके चलते घटना के महज 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

किसान के बाड़े में भीषण आग, तीन ट्रैक्टर और कार जलकर खाक

बालोद, 10 मार्च [एजेंसी]। जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र के खेरुद गांव में बीती रात एक किसान के बाड़े में आग लगने से बड़ा नुकसान हो गया। आग की चपेट में आकर तीन ट्रैक्टर और एक कार पूरी तरह जलकर राख हो गए।

जानकारी के अनुसार किसान राजेश यदु के बाड़े में खड़े ट्रैक्टर और कार अचानक आग की लपटों में घिर गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और सभी वाहन जलकर नष्ट हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गुंडरदेही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस बाड़े में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस वजह से लगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

तलवार लहराकर लोगों को डराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में कार्रवाई

रायपुर, 10 मार्च [एजेंसी]। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देश पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने ताजनगर क्षेत्र में तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

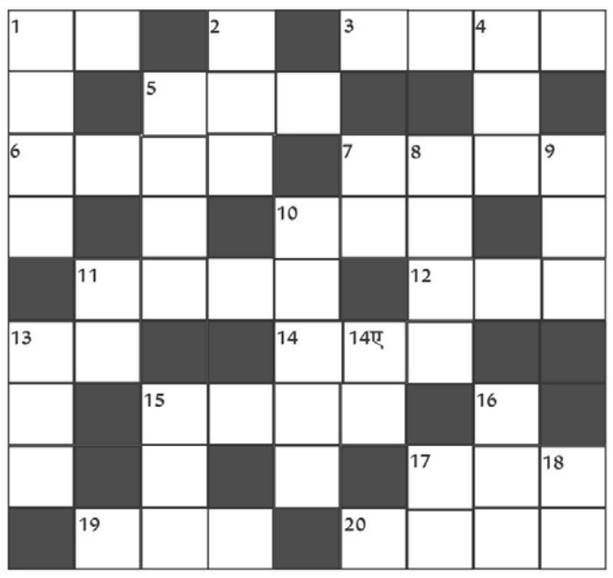

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

महिला टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज की अपने नाम

नईदिल्ली,10 मार्च (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ उसने सीरीज भी अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 25 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उसने बिना कोई विकेट खोए हासिल कर लिया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ये मुकाबला तीसरे दिन ही हार गई। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम की पहली पारी 198 रन पर सिमट गई। जेमिमा रोड्रिगेज ने 52 रन बनाए। एनाबेल सदरलैंड ने 4 विकेट झटके। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बना दिए। एनाबेल सदरलैंड ने 129 रन की पारी खेली, जबकि एलिस पेरी ने 76 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी 149 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने मैच जीता और आखिरी बार कप्तानी कर रहीं एलिसा हीली को शानदार विदाई दी। जेमिमा ने पहली पारी में 84 गेंदों का सामना किया और 52 रन बनाए। उनके बल्ले से 7 चौके निकले और उनकी स्ट्राइक रेट 61.90 की रही। ये उनके टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक रहा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस खिलाड़ी ने दूसरा अर्धशतक लगाया। इस खिलाड़ी ने अब तक 4 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 7 पारियों में 1 बार नाबाद रहते हुए 50.16 की औसत से 301 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 73 रन है।

सदरलैंड ने पहली पारी में 17 ओवर गेंदबाजी की और 5 मेडन के साथ 46 रन देकर 4 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी 2.70 की रही। ये उनके टेस्ट करियर का पहला 4 विकेट हॉल रहा। उन्होंने अब तक 7 मुकाबले खेले हैं और इसकी 13 पारियों में 23.26 की औसत से 19 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 3 टेस्ट की 5 पारियों में 17.87 की औसत से 19 विकेट अपने नाम किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सदरलैंड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा और भारत के खिलाफ पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 133 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने पेरी (76) के साथ मिलकर 169 गेंदों में 128 रन की साझेदारी निभाई। उन्होंने पारी में 171 गेंदों का सामना किया और 17 चौकों की मदद से 129 रन बनाकर आउट हुई। उनके अब 7 मैचों में 89.38 की औसत से 715 रन हो गए हैं।

कंगारू टीम के लिए पेरी ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को संकट से बाहर निकालने का काम किया। यह उनके टेस्ट करियर का 5वां और भारत के खिलाफ दूसरा ही अर्धशतक रहा। उन्होंने अपनी पारी में 116 गेंदों का सामना किया और 10 चौके के साथ 1 छक्का जड़ते हुए 76 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटीं। पारी का 70वां रन बनाते ही उनके टेस्ट करियर में 1,000 रन भी पूरे हो गए।टेस्ट में अपने 1,000 रन पूरे करने के साथ ही पेरी तीनों प्रारूप (टेस्ट, वनडे और टी-20) में 1,000 रन पूरे करने वाले केवल दूसरी महिला बल्लेबाज बनी हैं। उनके टेस्ट में 1,006, वनडे में 4,504 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2,201 रन हो गए हैं। उनसे पहले केवल इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स ही यह कारनामा कर पाई हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 1,676, वनडे क्रिकेट में 5,992 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2,605 रन दर्ज हैं।प्रतिका रावल ने दूसरी पारी में 137 गेंदों का सामना किया और 63 रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 45.99 की रही। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में ही अर्धशतक जड़ा। पहली पारी में वह 18 रन बनाकर आउट हुई थीं।

एलिस पेरी क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 1,000 रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज बनी

नईदिल्ली,10 मार्च (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज एलिस पेरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ जारी एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन शानदार अर्धशतकीय पारी (76) खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 5वां और भारतीय टीम के खिलाफ दूसरा ही अर्धशतक रहा। अपनी पारी का 70वां रन बनाते ही उन्होंने खास उपलब्धि हासिल कर ली। उन्हें टेस्ट करियर में 1,000 रन पूरे हो गए। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

ऑस्ट्रेलिया टीम को अपनी पहली पारी में 31 रन पर ही 2 झटके लग गए थे। इसके बाद आई पेरी ने एनाबेल सदरलैंड (129) के साथ चौथे विकेट के लिए 169 गेंदों में 128 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संकट से निकाला। इस दौरान दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अर्धशतक भी पूरे किए। पेरी अपनी पारी में 116 गेंदों का सामना किया और 10 चौके के साथ 1 छक्का जड़ते हुए 76 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटीं। टेस्ट में अपने 1,000 रन पूरे करने के साथ ही पेरी तीनों प्रारूप (टेस्ट, वनडे और टी-20) में 1,000 रन पूरे करने वाले केवल दूसरी महिला बल्लेबाज बनी हैं। उनके टेस्ट में 1,006, वनडे में 4,504 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2,201 रन हो गए हैं। उनसे पहले केवल इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स ही यह कारनामा कर पाई हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 1,676, वनडे क्रिकेट में 5,992 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2,605 रन दर्ज हैं। पेरी ने साल 2008 में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। वह अब तक 15 टेस्ट की 24 पारियों में 59.17 की औसत और 46.66 की स्ट्राइक रेट से 1,006 रन बनाने में सफल रही हैं। इस दौरान उन्होंने 5 अर्धशतक के अलावा 2 शतक भी जड़े हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नाबाद 213 रन का रहा है। इसी तरह उन्होंने 23 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 39 विकेट भी अपने नाम किए हैं।

महिला टेस्ट: एनाबेल सदरलैंड ने भारतीय टीम के खिलाफ जड़ा अपना पहला शतक, ये रिकॉर्ड्स बनाए

नईदिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन एनाबेल सदरलैंड ने शतकीय पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा और भारतीय टीम के खिलाफ पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 133 गेंदों में पूरा किया। भारतीय टीम की पहली पारी 198 रन पर समाप्त हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ने अब मैच पर अच्छी पकड़ बना ली है। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।ऑस्ट्रेलिया टीम के 3 बल्लेबाज केवल 58 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से सदरलैंड ने पारी संभाली और एलिस पेरी के साथ मिलकर 169 गेंदों में 128 रन की साझेदारी निभाई। पेरी 116 गेंदों में 76 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने खराब गेंदों को सीमा रेखा के बाहर पहुंचाया और अच्छी गेंदों का सम्मान किया।सदरलैंड ने गेंदबाजी में भी कमाल किया था उन्होंने 17 ओवर में 5 मेडन के साथ 46 रन देकर 4 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी 2.70 की रही। ये उनके टेस्ट करियर का पहला 4 विकेट हॉल और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने 7 मुकाबले खेले हैं और इसकी 12 पारियों में 25.11 की औसत से 17 विकेट लिए हैं।

टी-20 विश्व कप 2026 में कमाल का रहा है विल जैक्स का प्रदर्शन

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर विल जैक्स ने टी-20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। इस हरफनमौला खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, सेमीफाइनल में इंग्लैंड को भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में जैक्स ने टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक के नाम दर्ज एक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। ऐसे में आइए उनके प्रदर्शन पर नजर डालते हैं।सेमीफाइनल में जैक्स ने 35 रन बनाए। इस पारी के साथ वह टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में छठे या उससे नीचे के क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 8 पारियों में 56.50 की औसत और 176.56 की स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए। उन्होंने 2007 टी-20 विश्व कप में मिस्बाह के 218 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कोई अन्य बल्लेबाज 180 रन तक भी नहीं पहुंच सका है।जैक्स ने बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस संस्करण में जैक्स ने

21.66 की औसत से 9 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 9.75 की रही। टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में 200 से ज्यादा रन बनाने और कम से कम 9 विकेट लेने वाले अन्य ऑलराउंडर केवल दो ही हैं। ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन (2012 में 249 रन और 11 विकेट) और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (2022 में 219 रन और 10 विकेट)। टी-20 विश्व कप 2026 में जैक्स ने एक संस्करण में सबसे अधिक बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीतने के मामले में वॉटसन की बराबरी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें टूर्नामेंट का चौथा 'प्लेयर ऑफ द मैच' मिला। इसी के साथ उन्होंने वॉटसन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वॉटसन ने यह रिकॉर्ड साल 2012 के टी-20 विश्व कप में बनाया था, जो श्रीलंका में खेला गया था।जैक्स ने नेपाल के खिलाफ 39 रन की पारी खेलने के साथ 1 विकेट लिया और पहला 'प्लेयर ऑफ द मैच' जीता। इसके बाद इटली के खिलाफ उन्होंने 22 गेंदों में 53 रन बनाए और 34 रन देकर 1 विकेट लिया, जिससे उन्हें दूसरा पुरस्कार मिला। श्रीलंका के खिलाफ 21 रन और 22 रन देकर 3 विकेट के साथ उन्हें तीसरा सम्मान मिला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 2 विकेट लिए और नाबाद 32 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई।

व्यापार

एप्पल ने लॉन्च किया अपना सबसे सस्ता लैपटोप आईफोन 16 प्रो वाला प्रोसेसर और 16 घंटे की बैटरी लाइफ, कीमत कर देगी हैरान

नई दिल्ली,10 मार्च (एजेंसी)। प्रीमियम लैपटॉप बाजार में अपना दबदबा कायम रखने के बाद, अब एप्पल ने बजट फ्रेंडली सेगमेंट में भी तहलका मचा दिया है। कंपनी ने ग्राहकों के लिए अपना नया और किफायती लैपटॉप 'मैकबुक नियो' लॉन्च कर दिया है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस सस्ते मैकबुक में भी कंपनी ने उसी दमदार ए18 प्रो चिपसेट का इस्तेमाल किया है, जो आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स में देखने को मिलता है। इस लैपटॉप की प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है और आगामी 11 मार्च से यह एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट व सभी अधिकृत रिटेलर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध हो जाएगा।दमदार प्रोसेसर और शानदार डिस्प्लेनए मैकबुक नियो में 13 इंच का बेहतरीन लिक्विड रेटिना आईपीएस डिस्प्ले दिया गया है, जो 219श्चश्चद्ब पिक्सल डेंसिटी के साथ आता है। एप्पल का यह लेटेस्ट लैपटॉप आईफोन 16 सीरीज वाले ए18 प्रो चिप पर काम करता है, जो इसे मल्टीटास्किंग के लिए बेहद फास्ट बनाता है। कंपनी का दावा है कि यह इंटेल कोर अल्ट्रा 5 चिप वाले विंडोज पीसी के मुकाबले रोजमर्रा के कामों में 50 फीसदी तक और कुछ एआई आधारित कार्यों में तीन गुना तक ज्यादा तेज परफॉर्मेंस देता है। मैकबुक एयर की तरह ही यह लैपटॉप भी लेटेस्ट मैकओएस ताहो ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। इसमें 8 जीबी रैम के साथ 256 जीबी

और 512 जीबी एसएसडी स्टोरेज के दो शानदार विकल्प मिलते हैं, हालांकि इसमें रैम को बाद में बढ़ाया नहीं जा सकता है।बेहतरीन बैटरी लाइफ और एडवांस फीचर्सबजट फ्रेंडली होने के बावजूद एप्पल ने इस लैपटॉप के फीचर्स में कोई कंजूसी नहीं की है। इसमें 36.5की बैटरी दी गई है, जिसे 20 के यूएसबी टाइप-सी एडॉप्टर से तेजी से चार्ज किया जा सकता है। कंपनी का दावा है कि एक बार फुल चार्ज होने पर यह मैकबुक 16 घंटे तक की वीडियो स्ट्रीमिंग या 11 घंटे तक की लगातार वेब ब्राउजिंग का बैकअप देता है। मात्र 1.23 किलोग्राम वजन वाले इस हल्के लैपटॉप में मल्टीटच ट्रैकपैड के साथ मैजिक कीबोर्ड और सुरक्षा के लिए टच आईडी की सुविधा भी मौजूद है। इसके अलावा, बेहतरीन वीडियो कॉलिंग के लिए इसमें 1080 च फेसटाइम एचडी वेबकैम, वॉयस आइसोलेशन, डॉल्बी एटमॉस के साथ डुअल स्पीकर सेटअप और वाई-फाई 6इ व ब्लूटूथ 6 जैसी बेहतरीन कनेक्टिविटी का सपोर्ट भी मिलता है।कीमत, आकर्षक ऑफर्स और कड़ा मुकाबलाएप्पल ने इस नए मैकबुक को ब्लश, सिट्रस, इंडिगो और सिल्वर जैसे चार बेहद खूबसूरत रंगों में बाजार में उतारा है। कीमत की बात करें तो इसके 8 जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज वाले बेस वेरिएंट की कीमत 69,900 रुपये रखी गई है, जबकि 512 जीबी स्टोरेज वाले टॉप वेरिएंट की कीमत 79,900 रुपये तय की गई है। छात्रों के लिए कंपनी एक शानदार ऑफर भी दे रही है, जिसके तहत स्टूडेंट्स 10,000 रुपये के एजुकेशन डिस्काउंट का लाभ उठाकर इसे और भी सस्ते में अपना बना सकते हैं। बाजार में इस किफायती मैकबुक की सीधी टक्कर क्रोमबुक और 60 से 70 हजार रुपये की कीमत में आने वाले एचपी, डेल व एसर जैसे दिग्गज ब्रांड्स के विंडोज लैपटॉप से होगी।

रिकॉर्ड कमाई के बावजूद इस बैंक ने 2500 कर्मचारियों को निकाला, क्या एआई छीन रहा नौकरियां

नई दिल्ली,10 (एजेंसी)। अमेरिका की प्रमुख निवेश बैंकिंग कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने अपने वैश्विक कर्मचारियों में से करीब 2,500 लोगों की छंटनी की है। यह संख्या कंपनी के कुल कर्मचारियों का लगभग 3 प्रतिशत बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह छंटनी मार्च की शुरुआत से शुरू हुई है।वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी किसी सुधार प्रक्रिया के कारण नहीं की गई है, बल्कि इसके पीछे कंपनी की बदलती व्यावसायिक प्राथमिकताएं, वैश्विक स्तर पर नई लोकेशन रणनीति और कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा जैसे कारण बताए जा रहे हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि यह छंटनी बैंक के तीन बड़े डिवीजन-इंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटीज, वेल्थ मैनेजमेंट और इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-में की गई है। इससे फ्रंट-ऑफिस, राजस्व से जुड़े पदों और बैक-ऑफिस भूमिकाओं पर असर पड़ा है, हालांकि वित्तीय सलाहकारों को इस फैसले से बाहर रखा गया है। फिलहाल मॉर्गन स्टेनली ने इस रिपोर्ट पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले भी पिछले साल वसंत में कंपनी ने करीब 2,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। दिलचस्प बात यह है कि यह छंटनी ऐसे समय में हुई है जब कंपनी ने 2025 में रिकॉर्ड 70.6 अरब डॉलर की सालाना आय दर्ज की है।

वहीं साल की अंतिम तिमाही में कंपनी की आय में 47 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई। 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी के 40 से अधिक देशों में कुल 82,992 कर्मचारी काम कर रहे थे।हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में मॉर्गन स्टेनली ने कहा था कि नौकरियों पर एआई का लंबी अवधि का असर उतना गंभीर नहीं हो सकता जितना लोग मान रहे हैं। कंपनी के अनुसार कुछ नौकरियां जरूर ऑटोमेट होंगी, लेकिन अधिकांश कर्मचारी पूरी तरह बेरोजगार नहीं होंगे। कई लोग नए प्रकार की नौकरियों में शिफ्ट हो सकते हैं, जिनमें से कुछ भूमिकाएं अभी अस्तित्व में भी नहीं हैं। बैंक का मानना है कि एआई काम करने के तरीके को बदलेगा, लेकिन नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा। इसी बीच, जैक डोर्सी द्वारा स्थापित पेमेंट कंपनी ब्लॉक ने भी हाल ही में एआई से जुड़े बदलावों के चलते अपने कर्मचारियों की संख्या लगभग आधी करने की घोषणा की है। कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या 10,000 से घटाकर करीब 6,000 करने की योजना बना रही है।टेक उद्योग के कई विशेषज्ञों का मानना है कि कंप्यूटर आधारित अधिकांश व्हाइट-कॉलर नौकरियां अगले 12 से 18 महीनों में ऑटोमेशन की ओर बढ़ सकती हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन ने भी अपने रोबोटिक्स डिवीजन में कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसमें कम से कम 100 व्हाइट-कॉलर नौकरियां प्रभावित हुई हैं।इससे पहले जनवरी में कंपनी ने करीब 16,000 नौकरियों में कटौती की थी।वहीं, अमेरिकी टेक कंपनी ओरेकल भी अपने एआई डेटा सेंटर क्षमता बढ़ाने के लिए 20,000 से 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है।

18 साल बाद टूटी पार्टनरशिप, अब विदेशी कंपनी क्यूबीई के पास होगा 'रहेजा क्यूबीई' का पूरा मालिकाना हक

मुंबई,10मार्च (एजेंसी)। भारतीय बीमा बाजार से एक बेहद अहम खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया की जानी-मानी अंतरराष्ट्रीय जनरल इंश्योरेंस और रीइंश्योरेंस कंपनी 'क्यूबीई इंश्योरेंस ग्रुप' जल्द ही रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की इकलौती मालिक और शेयरधारक बनने जा रही है। 18 सालों तक चली लंबी जॉइंट ओनरशिप के बाद अब इस कंपनी के ढांचे में यह बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके लिए फिलहाल नियामक संस्था की मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।पिछले 18 सालों से रहेजा क्यूबीई में प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड और क्यूबीई इंश्योरेंस ग्रुप की संयुक्त हिस्सेदारी थी। अब इस लंबे सफर के बाद यह पार्टनरशिप खत्म होने जा रही है। इस अहम सौदे के तहत क्यूबीई इंश्योरेंस ग्रुप ने कंपनी का पूरा नियंत्रण अपने हाथों में लेने का फैसला किया है।

उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि यह बड़ा कदम भारतीय बीमा बाजार में क्यूबीई की गहरी दिलचस्पी, भरोसे और उसकी लंबी अवधि की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।फिलहाल इस पूरे ट्रांजैक्शन और मालिकाना हक के ट्रांसफर की प्रक्रिया की भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा बारीकी से समीक्षा की जा रही है। कंपनी ने अपने ग्राहकों और हितधारकों को आश्वस्त किया है कि जब तक यह कानूनी और कागजी प्रक्रिया चल रही है, तब तक कंपनी के रोजमर्रा के कामकाज और ग्राहकों को दी जाने वाली सर्विस के मानकों में कोई बदलाव नहीं होगा। ग्राहकों को बिना किसी रुकावट के पहले की तरह ही बेहतरीन सेवाएं मिलती रहेंगी।

फास्टटैग रिचार्ज करते ही पलक झपकते ही उड़ रहे सारे पैसे, फंसने से पहले तुरंत जान लें सरकार की ये चेतावनी

नई दिल्ली ,10 मार्च (एजेंसी)। अगर आप भी अपनी कार या गाड़ी का फास्टैग अपने मोबाइल से ऑनलाइन रिचार्ज करते हैं, तो यह खबर आपके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों से बचने और सफर को आसान बनाने वाला फास्टैग अब साइबर ठगों का सबसे नया और खतरनाक हथियार बन चुका है। एक छोटी सी लापरवाही से आपका मेहनत का पैसा फास्टैग वॉलेट की जगह सीधे जालसाजों के बैंक खाते में जा रहा है और आप बिना बैलेंस के बीच हाइवे पर बुरी तरह फंस सकते हैं।गृह मंत्रालय की एजेंसी ने किया इस खौफनाक जाल का पर्दाफाश इस बड़े और खतरनाक स्कैम को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली साइबर सुरक्षा एजेंसी 'साइबर दोस्त' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद जरूरी अलर्ट जारी किया है। एजेंसी ने एक वीडियो शेयर करके देश भर के वाहन चालकों को आगाह किया है कि इंटरनेट पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के नाम से मिलती-जुलती दर्जनों फर्जी वेबसाइट्स धड़ल्ले से चल रही हैं। जब कोई अनजान यूजर अपना फास्टैग रिचार्ज कराने या एनुअल पास बनवाने के लिए इंटरनेट पर सर्च करता है, तो ये फेक वेबसाइट्स उसे अपने जाल में फंसा लेती हैं।सीधे स्कैमर्स की जेब में जा रही है आपकी गाढ़ी कमाईइन फर्जी पोर्टल्स को बिल्कुल असली वेबसाइट की तरह चालाकी से डिजाइन किया गया है ताकि किसी को जरा भी शक न हो। जैसे ही आप इन वेबसाइट्स पर जाकर अपने फास्टैग या एनुअल पास के लिए कोई भी ऑनलाइन पेमेंट करते हैं, तो वो पैसा आपके फास्टैग अकाउंट में जाने के बजाय सीधे इन साइबर लुटेरों के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है। आपको लगता है कि आपका रिचार्ज सफलतापूर्वक हो गया है, लेकिन जब आप टोल प्लाजा के बैरियर पर पहुंचते हैं, तब जाकर इस बड़े धोखे का पर्दाफाश होता है।

नकली वेबसाइट्स को पहचानने का ये है सबसे अचूक तरीका

सरकारी एजेंसी ने साफ तौर पर बताया है कि इस भयंकर धोखे से बचना मुमकिन है, बस आपको भुगतान करने से पहले थोड़ी सी सतर्कता बरतनी होगी। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उस वेबसाइट का यूआरएल और उसकी स्पेलिंग को बहुत ध्यान से चेक करें।

बकाया बिजली बिल पर मिलेगी छूट, आदेश जारी

बीपीएल, घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए समाधान योजना शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के बकाया बिलों के निपटारे के लिए समाधान योजना 2026 लागू की गाई है। योजना के तहत बीपीएल, घरेलू तथा कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं को बकाया राशि पर विशेष छूट दी जाएगी। इसका उ?देश्य लंबे समय से लंबित बिजली बिलों की वसूली के साथ-साथ उपभोक्ताओं को राहत देना है। 31 मार्च 2023 तक के बकाया बिल पर योजना लागू होगी। पात्र उपभोक्ताओं को मूल राशि में आंशिक छूट तथा अधिभार (सरचार्ज) में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

विद्युत वितरण कंपनी ने बकायदार बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए समाधान योजना लागू करने का आदेश जारी किया है। इस योजना के तहत बकाया बिजली बिल पर छूट देकर उपभोक्ताओं को भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसमें सक्रिय बीपीएल उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। इसमें यदि बकाया 5 वर्ष से अधिक पुराना है तो मूल राशि में 75 प्रतिशत छूट और अभिभार में 100 प्रतिशत छूट दिया जाएगा। साथ ही बकाया 1 से 5 वर्ष के बीच है तो मूल राशि में 50 प्रतिशत छूट तथा अधिभार में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। निर्धारित अवधि के बाद किस्तों के भुगतान पर आगे किसी प्रकार का अधिभार नहीं जोड़ा जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन के समय बकाया राशि का कम से कम 10 प्रतिशत भुगतान करना होगा। समाधान पेजना का लाभ उठाने के लिए बकायादार उपभोक्ताओं को बिजली ऑफिस व मोर बिजली एप के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद पात्र होने पर उनको छूट का लाभ आटोमेटिक ऑनलाइन मिलेगा। इसमें कोई भी काम ऑफलाइन नहीं होगा।

अलग-अलग श्रेणियों के लिए छूट निर्धारित

योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। बीपीएल उपभोक्ता को मूल बकाया राशि में 75 प्रतिशत छूट, अधिभार में 100 प्रतिशत छूट, घरेलू उपभोक्ता को मूल राशि में 50 प्रतिशत छूट, अधिभार में 100 प्रतिशत छूट कृषि (स्थायी व अस्थायी) मूल राशि में 50 प्रतिशत छूट, अधिभार में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

बिल पेमेंट के मिलेंगे तीन विकल्प

प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को भुगतान के लिए तीन विकल्प दिए गए हैं। एकमुश्त भुगतान मूल राशि का लगभग 10 प्रतिशत जमा करने पर अधिभार पूरी तरह माफ होगा। तीन किस्तों में भुगतान करने पर लगभग 5 प्रतिशत मूल राशि जमा कर किस्तों में भुगतान की सुविधा मिलेगी। वहीं छह किस्तों में भुगतान करने पर मूल राशि का भुगतान किस्तों में किया जा सकेगा, अधिभार में पूरी छूट मिलेगी।

मीटर रीडरों को मिलेगा प्रोत्साहन

इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बिजली कंपनी ने मीटर रोडरों की भी प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया है। इसमें रोडरों को एकमुश्त भुगतान कराने पर प्राप्त राशि का 5 प्रतिशत (अधिकतम 1000 रुपए), किस्तों में भुगतान कराने पर 5 प्रतिशत (अधिकतम 500 रुपए प्रति कनेक्शन) प्रोत्साहन दिया जाएगा।

आरटीई से नर्सरी व केजी-1 में नहीं मिलेगा प्रवेश

पहली कक्षा की 562 सीटों पर ही गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ पाएंगे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। निजी स्कूलों के नर्सरी व केजी-1 कक्षाओं में पढ़ाने के इच्छुक गरीब परिवारों की राह शासन ने मुश्किल कर दी है। ऐसे बच्चों के अभिभावकों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार का लाभ नहीं मिल पाएगा। ऑनलाइन आरटीई पोर्टल के माध्यम से नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के निजी स्कूलों की इन कक्षाओं की 25 फीसदी सीटों पर मिलने वाला एडमिशन इस बार नहीं होगा। शासन के इस निर्णय से जिले के 1339 सीटों पर हर साल नि:शुल्क पढ़ाई के लिए प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। इन अभिभावकों के सामने स्थिति यह है कि मोटी रकम खर्च कर निजी स्कूलों की इन कक्षाओं में अपने बच्चों को दाखिला दिलाएं या फिर किसी आंगनबाड़ी केन्द्र में पढ़ाएं। ऐसा भी नहीं कर पाने वाले अभिभावकों को अपने बच्चों को 6 साल की उम्र तक घर में बिठाकर रखना होगा, ताकि उस उम्र के बाद वे आरटीई के तहत दाखिला दिला सकें। यह विकल्प अभिभावकों के लिए काफी जटिल होगा और वे नहीं चाहेंगे। इसलिए अंतिम विकल्प यह है कि वे किसी न किसी सरकारी स्कूल में अपने बच्चे को पढ़ाएं। आरटीई पोर्टल से भी नर्सरी एवं केजी 1 क्लासों की सीटों को हटा दिया गया है, ताकि पंजीयन कराने वाले अभिभावकों को उसकी जानकारी च्वाइस सेंटर अथवा अन्य माध्यम से मिल सके।

गवर्नमेंट सेजस पर नहीं है एंट्री क्लासेस—कोरबा जिले में गवर्नमेंट स्वामी आत्मानंद स्कूलों की संख्या 55 है। लेकिन अंग्रेजी माध्यम के स्कूल मात्र 15 हैं। इसमें भी मात्र 3 स्कूल सीबीएसई से संबद्ध हैं, शेष पहले की तरहह सीजी बोर्ड से संबद्धता बनाए हुए हैं। इन स्कूलों में भी आरटीई के तहत नर्सरी व केजी-1 की कक्षाएं नहीं लगती हैं। पहली कक्षा में प्रवेश के लिए इन स्कूलों का दायरा सीमित होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चों का एडमिशन वहां नहीं हो पाता है। सीबीएसई से संबद्ध तीनों सेजस स्कूलों में 50 फीसदी सीट छात्राओं के लिए रिजर्व हैं। जबकि 50 प्रतिशत सीट पर एसई, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, सैनिक आदि कोटे से एडमिशन का प्रावधान है।

बीते वर्ष 2338 बच्चों का हुआ था प्रवेश—शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के 289 निजी स्कूलों की नर्सरी, केजी-1, 1ली सहित अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर आरटीई के तहत 2338 बच्चों को दाखिला मिला था। जिसमें नर्सरी, केजी-1 व 1ली कक्षा में आरटीई की कुल सीट 1901 थी। चालू सत्र 2026-26 में आरटीई के बदले नियम के तहत जिले के 281 निजी स्कूलों की मात्र 562 सीटों पर ही प्रवेश दिया जाना है। क्योंकि इतनी सीट कक्षा 1 में आरटीई की रह गई है। छात्र पंजीयन की प्रक्रिया 16 फरवरी से शुरू हो चुकी है।

भाजपा युवा मोर्चा की नई टीम घोषित

निहाल सोनी बने कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए जिला की नई टीम की घोषणा कर दी है। नई सूची में युवा नेता निहाल सोनी को कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मंडल अध्यक्ष बनने की खबर सामने आते ही समर्थकों और युवा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है।

पार्टी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति तथा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिया के अनुमोदन के बाद यह सूची जारी की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी की अनुशंसा पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष वैभव शर्मा ने जिला की नई टीम की घोषणा की है। नई टीम की घोषणा के बाद कार्यकताओं मे उत्साह का माहौल है। इसे आगामी राजनीतिक गतिविधियों को गति देने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। निहाल सोनी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर चुके हैं। वे परिषद में कोरबा जिला संयोजक एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सक्रिय रहे और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लगातार काम करते रहे हैं। संगठन के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने वाले कार्यकर्ता के रूप में उनकी पहचान बनी हुई है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि निहाल सोनी लंबे समय से समाज सेवा और संगठनात्मक गतिविधियों के माध्यम से लोगों के बीच सक्रिय रहे हैं। यही वजह है कि युवाओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है और उन्हें यह जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

गैस सिलेण्डर के दाम की गई बढ़ोत्तरी ने आम जनता की तोड़ दी है कमर: जयसिंह

0 जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में टीपी नगर चौक में किया गया विरोध प्रदर्शन
0 नारेबाजी के साथ कैंडल मार्च निकाला, भाजपा का फूंका पुतला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। घरेलू और व्यवसायिक एलपीजी गैस सिलेण्डर के दामों में की गई वृद्धि और भाजपा नेता के द्वारा अफीम खेती के मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में टीपी नगर चौक के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी के साथ कैंडल मार्च निकाला गया। भाजपा पार्टी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन स्थल पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेण्डर में 60 और कमर्शियल गैस सिलेण्डर में 115 रुपए की बढ़ोत्तरी ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। इस वृद्धि से सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर असर पड़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने गैस सिलेण्डर के बढ़े हुए दामों के लिए मोदी सरकार को दोषी ठहराते हुए कहा कि बीजेपी सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई बेकाबू होती जा रही है। आज के समय में सभी घरों की रसोई में गैस सिलेण्डर जरूरी हो गया है, लेकिन इसके दामों में लगातार बढ़ोत्तरी से गृहणियों में आक्रोश दिख रहा है। ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज चौहान ने कहा कि एक तरफ हिंदुस्तान की आम जनता बेरोजगारी की मार झेलने को मजबूर है, वहीं दूसरी तरफ खाद्य सामग्री, ईंधन, गैस सिलेण्डर के दामों में लगातार बढ़ोत्तरी से आर्थिक समस्या उत्पन्न होती जा रही है। पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि घरेलू गैस सिलेण्डर के दामों में एक साथ 60 रुपए की वृद्धि से भारत भर के सभी घरों के रसोई का जायका फीका पड़ गया है। वहीं रेस्टोरेंट होटलों में नाश्ता - भोजन के दामों में असर दिखेगा। कोरबा ब्लॉक अध्यक्ष पालूराम साहू ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार के पास ईंधन सुरक्षा के लिए प्रभावी कार्य योजना नहीं है और आनन फानन में एलपीजी गैस के दामों में बड़ी बढ़ोत्तरी कर दी है। इस बढ़ोत्तरी को तत्काल वापस लेने की जरूरत है, अगर ऐसा नहीं किया गया तो कांग्रेस चरणबद्ध तरीके प्रदर्शन करने को मजबूर होगी। जमनीपाली दर्री ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में अफीम उगाने वाले भाजपा नेता विनायक ताम्रकार गांव में लगभग 300 एकड़ में खेती करते हैं, जिसमें से लगभग 150 एकड़ भूमि सरकारी है। श्री तिवारी ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बालको ब्लॉक अध्यक्ष एडी जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार के राज में अवैध नशे का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। नशे का सामान गली मोहल्ले में निर्बाध बिक रहा है, वहीं स्कूली बच्चों को भी परोसा जा रहा है।

सीतामणी मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा ने कहा कि प्रदेश में घरेलू गैस सिलेण्डर मात्र 500 रुपए में देने का वादा कर सत्ता में आई भाजपा सरकार ने सवा दो साल बीतने के बाद भी लागू नहीं किया है । 500 रुपए में देना तो दूर की बात है इसके विपरीत 1000 रूपये से भी अधिक दामों पर घरेलू गैस सिलेण्डर लेना पड़ रहा है। कार्यक्रम को महिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) प्रभासिंह तंवर, पूर्व जिला अध्यक्ष सपना चौहान, पीसीसी सचिव विकास सिंह, बांकीमोंगरा नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष मधुसुदन, संतोष कुमार देवांगन, पार्षद रवि चंदेल, पूर्व पार्षद सनीष कुमार, रोपा तिर्की, मस्तुल कंवर, अविनाश बंजारे, टीपी नगर मण्डल अध्यक्ष जवाहर निर्मलकर, गिरधारी बरेठ, मनहरण राठौर (इंटक) सहित अन्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कुंजबिहारी साहू, मुन्ना खान, जगन्नाथ थवाईत, राजेश श्रीवास, शशि अग्रवाल, लक्ष्मी महंत, क्रांति सोनी, नफीसा हुसैन, मीरा अग्रवाल, सीमा उपाध्याय, गीता महंत, जमुना राठौर, माधुरी ध्रुव, मीरा सिंह, रामकुमार, आकाश प्रजापति, अवधेश लाठिया, अनिल कुमार, संजू अग्रवाल, त्रिवेणी मिरी, जेपी नामदेव, शशिराज, अमित पन्ना, दिलेश्वर आदिले, अमरनाथ कैवर्त, रमेश वर्मा, राजेश यादव, एकनाथ बंजारे, विवेक श्रीवास, अश्वनी पटेल, अमित सिंह, मीनीकेत, रविश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंजूरी के इंतजार में 4 साल से फाइलों में अटका बालको नया बिजली जोन

गर्मी आने से पहले फिर उठी बालको को अलग जोन बनाने की मांग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गर्मी में हर साल बिजली उपकरणों पर लोड बढ़ता है। इससे शहरी क्षेत्र के पाड़ीमार जोन के कई क्षेत्रों में बार-बार पावर कट की समस्या सामने आती है। इससे निपटने चार साल पहले बालको को बिजली वितरण कंपनी का नया जोन बनाने प्रस्ताव भेजा गया, मगर मुख्यालय से मंजूरी नहीं मिलने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई।

राज्य बिजली वितरण कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर (बीओडी) की बैठक में इस पर निर्णय लेने के बाद ही जरूरी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। बिजली वितरण कंपनी कोरबा सर्किल ने शहर क्षेत्र को तीन जोन में बांटा है। इनमें दर्री से बांकीमोंगरा को अलग फीडर का दर्जा देने की मांग, दर्री जोन में ही बांकीमोंगरा क्षेत्र को शामिल किया गया है। यह बिजली वितरण कंपनी ग्रामीण का हिस्सा रहा है। अब बांकीमोंगरा को नगर पालिका दर्जा मिलने के बाद इसे दर्री फीडर से अलग कर बांकीमोंगरा को अलग फीडर का दर्जा देने की मांग जनप्रतिनिधियों ने उठाई है। अलग फीडर बनने से गर्मी में पीक आवर में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी। शहर का पावर हाउस रोड, पुराना कोरबा शहर, टीपी नगर समेत आसपास के हिस्से को तुलसी नगर जोन में रखा है। दर्री जोन में उपनगर जमनीपाली, दर्री समेत आस-पास इलाके का हिस्सा है। पाड़ीमार जोन में शहर का निहारिका, कोसाबाड़ी समेत आस-पास के हिस्से के साथ ही बालको सब स्टेशन से सप्लाई क्षेत्र भी है। इस कारण पाड़ीमार जोन से बालको की दूरी अधिक है। शहरी क्षेत्र के तीन जोन को मिलाकर 69 हजार 609 घरेलू समेत अन्य श्रेणियों के बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें सर्वाधिक 28 हजार 700 के करीब बिजली उपभोक्ता पाड़ीमार जोन में है। यही वजह है कि बिजली वितरण कंपनी ने बालको को अलग जोन बनाने का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा है। इसे अभी तक बीओडी से मंजूरी नहीं मिली है। कोरबा के औद्योगिक विकास के साथ दूसरे जोन की तुलना में पाड़ीमार जोन में उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी है। इस जोन में शामिल शहर से लगे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनियों, दादरखुर्द समेत आसपास बस्तियों में गर्मी में बिजली उपकरणों पर लोड बढ़ने से बार-बार पावरकट की समस्या रहती है। वहीं बालको का हिस्सा भी पाड़ीमार जोन में है, जहां दूरी अधिक होने से समय पर सुधार कर बिजली आपूर्ति चुनौती है। नया जोन बनने पर पाड़ीमार जोन में उपभोक्ताओं की संख्या घटने पर गर्मी के पीक आवर में बिजली आपूर्ति में सुधार संभव है।

शहरी क्षेत्र के 69 हजार के लिए सिर्फ तीन जोन

शहरी क्षेत्र के 69 हजार उपभोक्ताओं के लिए तीन जोन बनाए गए हैं। पहले के उपभोक्ताओं की संख्या के हिसाब से यह उपयुक्त था। अब नए जोन की आवश्यकतानुसार प्रस्ताव भेजा गया है। इसके लिए बालको नगर क्षेत्र को चिन्हित किया गया है। इसकी स्वीकृति मिलने से शहरी क्षेत्र के लगभग 15 हजार उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। सर्वमंगला नगर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भी 15-20 किमी की दौड़ लगाकर दर्री जोन कार्यालय शिकायत लेकर पहुंचते हैं।

होम एग्जाम की नई समय सारणी का इंतजार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के उप संचालक ने कोरबा समेत प्रदेश के सभी जिलों में स्कूलों के होम एग्जाम एक साथ आयोजित करने कहा था। जिसके अनुसार पहली से चौथी, 6वीं-7वीं, 9वीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा साथ-साथ 25 मार्च से 10 अप्रैल तक संपन्न होनी थी। जिला शिक्षा अधिकारी ने उक्त निर्देश के बाद जिले में 9वीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा अलग तिथि में आयोजित कराने के लिए जिले के सभी हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों को पत्र जारी किए हैं। जिसमें यह भी कहा गया है कि परीक्षा कब से आयोजित की जाएंगी इसके लिए समय सारणी अलग से घोषित की जाएगी। इस पत्र के बाद जिले में दोनों कक्षाओं की परीक्षाओं के लिए नई समय सारणी का इंतजार शुरू हो गया है। उप संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार संबद्ध सभी जिलों के सरकारी व निजी स्कूलों में होम एग्जाम एक साथ होंगे। 1ली, 2री, 3 री, 4थी, 6वीं, 7वीं, 9वीं एवं 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा 25 मार्च से शुरू करना होगा।

निधन: बृज लांबा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व प्रतिष्ठित नागरिक कमला नेहरू महाविद्यालय शिक्षण समिति के सचिव सुरेन्द्र कुमार लांबा की धर्मपत्नी श्रीमती बृज लांबा का आज लगभग 12:45 बजे दोपहर 68 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ थी। उनका अंतिम संस्कार संध्या 5:00 बजे रामसागर पारा मुक्तिधाम में किया जाएगा। श्रीमती बृज लांबा लितेश लांबा और चेतन लांबा की माताजी थी।

दीपका के देशी-विदेशी शराब दुकान बंद करने की मांग

पार्षद अविनाश सिंह ने कलेक्टर कुणाल दुदावत को सौंपा ज्ञापन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिका परिषद दीपका के गुरुनानक वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद अविनाश सिंह ने पाली रोड स्थित संचालित देशी-विदेशी शराब दुकान को बंद किए जाने की मांग को लेकर कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी डॉ राकेश राठौर को ज्ञापन सौंपा है।

पार्षद ने पत्र में उल्लेख किया है कि दीपका के मुख्य मार्ग पाली रोड घनी आबादी में संचालित शराब दुकान के कारण आम नागरिकों, विशेषकर स्कूल आने-जाने वाली छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि पाली रोड स्थित शराब दुकान के सामने आए दिन नशेड़ियों के बीच गाली-गलौज और वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है। कई बार आपसी विवाद आम जनता के बीच तक पहुंच जाता है, जिससे सड़क पर तनावपूर्ण माहौल बनता है। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों एवं राहगीरों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अविनाश सिंह ने बताया कि इससे पूर्व भी शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के संबंध में आबकारी विभाग से पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन एवं संबंधित विभाग इस मामले में शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाते हैं, तो वार्डवासियों के साथ मिलकर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623